PRGI No. RJHIN/25/A3844 डाक पंजीयन G/JJN/053/2024-26 Valid up to 31 dec. 2026

भीम प्रज्ञा अलर्ट

जो व्यक्ति सत्ता से नहीं, संवेदना से निर्णय लेना सीख लेता है, वही समाज को टकराव नहीं, दिशा देता है।

दैनिक

भीम प्रज्ञा

2009 से स्थापित

सम्यक, न्याय, स्वतंत्रता, समानता, बंधुता, एवं सामाजिक चेतना के लिए रचनात्मक पत्रकारिता

गांव के गुवाड़ से निकलकर प्रकाशित होने वाले दैनिक अखबार भीम प्रज्ञा की मजबूती के लिए पाठक बनिए और बनाइए अपनी प्रतिक्रिया दीजिए
हेल्पलाइन - 9983040937
Bheem Pragya publication
A/C No: 61347330768
IFSC Code- SBIN0031880
Phone pe , G-pay
9983040937

www.bheempragya.in | वर्ष-1 | अंक-50 | झुंझुनू (राजस्थान) | शुक्रवार, 9 जनवरी, 2026 | Email.bheempragya@gmail.com | पृष्ठ-8 | मूल्य: 5.00

सम्पादकीय

एडवोकेट हरेश पंवार
Contact No. 9983040937

मैं बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है

लड़ाई पद की नहीं, अहंकार की है – और कीमत समाज का भविष्य चुका रहा है

डॉ. अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी के हालिया चुनाव के बाद जो वातावरण बना है, वह केवल एक संस्था के भीतर सत्ता-संघर्ष का मामला नहीं रह गया है, बल्कि यह पूरे समाज के आत्ममंथन का विषय बन चुका है। यह लड़ाई किसी अध्यक्ष पद, सचिव पद या पैनल की नहीं है; यह लड़ाई उस छुपे हुए अहंकार की है, जो वर्दी उतरने के बाद भी मन से नहीं उतरता और जो अपने प्रभाव, रुतबे और सत्ता-लालसा के लिए समाज को मोहरे की तरह इस्तेमाल करता है। मैं यहां बोलूंगा तो फिर कहोगे कि बोलता है।

सबसे चिंताजनक तथ्य यह है कि इस पूरी लड़ाई में असली नुकसान युवाओं का हो रहा है। सांड-सांड लड़ रहे हैं और खेत नौजवान रौंदे जा रहे हैं। सोशल मीडिया पर भड़काऊ भाषण, गाली-गलौज, धमकियां, हुड़दंग और फिर कार्यालय का ताला तोड़ना–यह सब किस लोकतांत्रिक मूल्य का प्रतिनिधित्व करता है? क्या यही बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर का सपना था? बाबा साहब ने कहा था– 'शिक्षित बनो, संगठित रहो और संघर्ष करो।'

लेकिन आज का दृश्य देखकर लगता है मानो इस नारे का अर्थ ही बदल दिया गया है। शिक्षा की जगह उन्माद, संगठन की जगह गुटबाजी और संघर्ष की जगह अराजकता ने ले ली है। यदि बाबा साहब आज जीवित होते, तो शायद वे यह देखकर आत्मग्लानि से भर जाते कि जिन संस्थाओं को उन्होंने सामाजिक चेतना का माध्यम माना था, वही संस्थाएं आज व्यक्तिगत अहंकार का अखाड़ा बन गई हैं।

राजस्थान में अंबेडकर मेमोरियल वेलफेयर सोसाइटी के चुनाव ने कई गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं–
कौन लड़ रहा है?
किसलिए लड़ रहा है?
और किसकी कीमत पर यह लड़ाई लड़ी जा रही है?

दुखद यह है कि इन सवालों के स्पष्ट जवाब किसी के पास नहीं हैं, फिर भी समाज खेमों में बंट चुका है। सोशल मीडिया की तथाकथित यूनिवर्सिटी से निकली अफवाहें, आरोप-प्रत्यारोप और प्रोपेगेंडा ने पूरे वातावरण को विषाक्त बना दिया। जो चुप हैं, वे गूंगे या बहरे नहीं हैं; वे इस पूरे तमाशे से आहत हैं। यह निर्विवाद तथ्य है कि सोसाइटी के भीतर सत्ता-संघर्ष लंबे समय से चल रहा है। कभी चुनाव न कराने के आरोप, कभी कब्जे की बातें, कभी समानांतर संस्थाएं खड़ी करने के प्रयास–यह सब समाज ने देखा है। सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी सतवीर सिंह और पूर्व डीजीपी डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा के बीच चली यह जंग किसी वैचारिक मतभेद की नहीं, बल्कि वर्चस्व की लड़ाई प्रतीत होती है। दुर्भाग्य यह है कि दोनों ही पक्ष अपने-अपने नैरेटिव को सही ठहराने के लिए समाज को बार-बार इस्तेमाल करते रहे। जिस तरह से पहले चुनावों में पैनल बनाए गए, त्यागपत्र दिलवाए गए, फिर परिस्थितियां बदलते ही उन्हीं निर्णयों से मुकरा गया–यह सब राजनीति के वही पुराने हथकंडे हैं, जिन्हें समाज अब अच्छी तरह पहचान चुका है। सत्ता के खेल में 'निष्पक्षता ', 'संविधान ', 'बाबा साहब' जैसे शब्द केवल ढाल बनकर रह गए हैं। सबसे शर्मनाक दृश्य वह था जब चुनाव परिणाम के बाद वेलफेयर सोसाइटी के कार्यालय में ताला तोड़ने और तोड़फोड़ का वीडियो सामने आया। यह दृश्य केवल कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं है, यह नैतिक दिवालियापन का प्रमाण है। क्या सत्ता इतनी जरूरी है कि उसके लिए संस्था की गरिमा, समाज की प्रतिष्ठा और युवाओं का भविष्य दांव पर लगा दिया जाए? यह भी सोचने की बात है कि युवाओं को इस टकराव की ओर किसने धकेला। कौन उन्हें उकसा रहा है कि वे 'संघर्ष' के नाम पर अपराध के वारिस बनें? युवा साथियों को यह समझना होगा कि हर बहती नदी में कूदना बहादुरी नहीं होती। अच्छे तैराक होना अलग बात है, लेकिन बेमतलब उफनती धारा में छलांग लगाना मूर्खता है। आज आवश्यकता है आत्मचिंतन की। यह समय किसी एक गुट को सही और दूसरे को गलत ठहराने का नहीं है। यह समय है दोनों पक्षों को कठघरे में खड़ा करने का–उनके अहंकार, उनकी चालबाजियों और उनके दोहरे चरित्र के लिए। जो लोग समाज की लीडरशिप का दावा करते हैं, उन्हें पहले अपने आचरण का मूल्यांकन करना होगा। वेलफेयर सोसाइटी किसी व्यक्ति की बपौती नहीं है। यह संस्था समाज की धरोहर है, और इसे बचाने की जिम्मेदारी भी समाज की है। यदि आज भी स्पष्ट सवाल नहीं पूछे गए, पारदर्शिता की मांग नहीं की गई और युवाओं को सचेत नहीं किया गया, तो आने वाला समय और अधिक भयावह होगा।

अंत में समाज से यही अपील है–

नेताओं की नहीं, नीतियों की पहचान कीजिए। नारों की नहीं, नीयत की जांच कीजिए। और सबसे जरूरी–अपने युवाओं को अहंकार की लड़ाई का ईंधन बनने से बचाइए।क्योंकि अगर आज हमने यह नहीं किया, तो कल इतिहास हमें माफ नहीं करेगा।

मिड-डे-मील योजना में 2 हजार करोड़ का घोटाला:

चहेती फर्मों ने ऊंची दरों पर लगाए बिल; 21 आरोपियों में भाजपा नेता के बेटों के नाम शामिल

भीम प्रज्ञा न्यूज

जयपुर । कोविड-19 महामारी के दौरान स्कूल बंद रहने की अवधि में राज्य में मिड-डे-मील योजना में 2000 करोड़ रुपए का घोटाला हुआ। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) ने इस घोटाले में कॉनफैड (CONFED), केंद्रीय भंडार और निजी फर्मों से जुड़े 21 नामजद आरोपियों के खिलाफ FIR दर्ज कर जांच शुरू की। यह मामला साल 2023 से चल रहा है। घोटाले में चौंकाने वाले नाम भी सामने आए हैं। जानकारी के अनुसार मामले में गहलोत सरकार के पूर्व मंत्री और भाजपा नेता राजेंद्र यादव के बेटे और रिश्तेदारों के नाम भी हैं। यादव के बेटे मधुर यादव और त्रिभुवन यादव भी इसमें शामिल हैं। वहीं कुछ रिश्तेदारों के नाम भी एफआईआर में हैं, जो फर्म का अलग-अलग काम संभालते हैं।

दरअसल, कोरोना काल में स्कूली विद्यार्थियों को खाना उपलब्ध कराने के उद्देश्य से राज्य सरकार ने कॉनफैड के माध्यम से दाल, तेल, मसाले आदि के कॉम्बो पैक की सप्लाई की थी। दावा किया गया था कि यह सामान FSSAI और एगमार्क मानकों के अनुरूप है और राज्य के स्कूलों तक डोर-स्टेप डिलीवरी के जरिए पहुंचाया गया। योजना में अनियमितताओं और भ्रष्टाचार की शिकायतें मिलने पर ACB ने प्राथमिक जांच शुरू की। इसके बाद विस्तृत जांच की गई। जांच के दौरान कई मामलों में वास्तविक खरीद और आपूर्ति किए बिना ज्यादा दरों पर फर्जी बिल प्रस्तुत करने की जानकारी भी सामने आई।

नियमों में बदलाव कर चहेती फर्मों को पहुंचाया फायदा

ACB की जांच में सामने आया कि मिड-डे-मील योजना से जुड़े अधिकारियों और कॉनफैड के कुछ अधिकारियों ने मिलीभगत कर नियमों में बदलाव किए। इसके चलते योग्य और पात्र फर्मों को टेंडर प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया, जबकि चहेती निजी फर्मों को अनुचित फायदा पहुंचाते हुए टेंडर आवंटित किए गए।

जांच में यह भी पाया गया कि टेंडर प्राप्त फर्मों ने आगे अवैध रूप से सब-लेटिंग (दूसरी फर्म को काम सौंपना) कर दी। इससे फर्जी आपूर्तिकर्ताओं और ट्रांसपोर्टरों का संगठित नेटवर्क तैयार किया गया।

बिना आपूर्ति फर्जी बिल, सरकारी भुगतान

जांच के दौरान कई मामलों में यह तथ्य सामने आया कि वास्तविक खरीद और आपूर्ति किए बिना ही ज्यादा दरों पर फर्जी बिल प्रस्तुत किए गए। उन्हीं के आधार पर भुगतान उठा लिया गया। धोखाधड़ी, जालसाजी और साठगांठ के चलते सरकारी खजाने को करीब 2000 करोड़ रुपए का नुकसान होने का अनुमान है।

इन 21 नामजद आरोपियों पर मामला दर्ज

ACB ने कॉनफैड से जुड़े अधिकारियों सांवतराम सहायक लेखाधिकारी, राजेन्द्र मैनेजर (नागरिक आपूर्ति), लोकेश कुमार बापना मैनेजर (नागरिक आपूर्ति), प्रतिभा सैनी असिस्टेंट मैनेजर, योगेंद्र शर्मा मैनेजर (आयोजना), राजेंद्र सिंह शेखावत मैनेजर, रामधन बैरवा गोदाम कीपर मार्केटिंग सेक्शन, दिनेश कुमार शर्मा सुपरवाइजर मार्केटिंग सेक्शन के खिलाफ मामला दर्ज किया है। वहीं कंवलजीत सिंह राणावत, मधुर यादव, त्रिभुवन यादव, सतीश मूलचंद व्यास, दीपक व्यास, रितेश यादव सहित केंद्रीय भंडार से जुड़े अधिकारियों में शैलेश सक्सैना रीजनल मैनेजर, बी.सी. जोशी डिप्टी मैनेजर, चंदन सिंह असिस्टेंट मैनेजर के खिलाफ भी नामजद मामला दर्ज किया है। इस पूरे घोटाले में निजी फर्में. मैसर्स तिरूपति सप्लायर्स, मैसर्स जागृत इंटरप्राइजेज, मैसर्स एमटी इंटरप्राइजेज, मैसर्स साई ट्रेडिंग के प्रोपराइटर सहित अन्य संबंधित व्यक्ति शामिल रहे।

आरोपियों की भूमिका, वित्तीय लेन-देन, दस्तावेजों की जालसाजी की जांच जारी

एसीबी की ओर से मामले में आरोपियों की भूमिका, वित्तीय लेन-देन, दस्तावेज की कूटरचना और सरकारी धन के दुरुपयोग से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। एविडेंस, रिकॉर्ड की जांच और अन्य अनुसंधानात्मक कार्रवाई जारी है। दोष सिद्ध होने पर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पीएम श्री चमेली देवी विद्यालय में इवेंट मैनेजमेंट व करियर काउंसलिंग पर प्रेरक कार्यशाला

भीम प्रज्ञा न्यूज़ बुहाना।

पीएम श्री चमेली देवी राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय (इंग्लिश मीडियम), बुहाना में बुधवार को एक दिवसीय इवेंट मैनेजमेंट एवं करियर काउंसलिंग विषय पर प्रभावशाली शैक्षिक वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए करियर से जुड़े अनेक महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्रधानाचार्य बलवंत सिंह ने की। मुख्य वार्ताकार एडवोकेट हरेश पंवार ने विद्यार्थियों को इवेंट मैनेजमेंट और करियर काउंसलिंग के माध्यम से स्टार्टअप एवं एंटरप्रेन्योरशिप बिजनेस बिल्डअप के विभिन्न स्केल और संभावनाओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि आज के तकनीकी युग में इवेंट मैनेजमेंट केवल आयोजन तक सीमित नहीं है, बल्कि यह एक सशक्त करियर विकल्प के रूप में उभर रहा है।

एडवोकेट पंवार ने विद्यार्थियों से सीधा संवाद करते हुए उनकी जिज्ञासाओं का समाधान किया और बताया कि यदि परंपरागत आयोजनों को वैज्ञानिक ढंग से इवेंट मैनेजमेंट के माध्यम से संपादित किया जाए तो कम समय और कम लागत में अधिक प्रभावी परिणाम प्राप्त किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि विवाह-समारोह, पारिवारिक कार्यक्रमों से लेकर कॉरपोरेट एवं राजनीतिक आयोजनों तक इवेंट मैनेजमेंट की व्यापक संभावनाएं हैं, जिनमें युवाओं के लिए रोजगार और अच्छे पदों पर पहुंचने के अवसर उपलब्ध हैं। उन्होंने यह भी बताया कि यदि विद्यार्थी जीवन में ही इवेंट प्लानिंग और मैनेजमेंट से जुड़ी स्किल विकसित कर ली जाए, तो भविष्य में न केवल बेहतर नौकरी के अवसर मिलते हैं, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास में भी प्रभावी भूमिका निभाई जा सकती है। कार्यशाला की समन्वयक एवं उपप्रधानाचार्य मंजू टेलर ने बताया कि इस प्रकार की करियर ओरिएंटेड वार्ताओं से विद्यार्थियों में कौशल विकास के साथ-साथ समग्र सोच विकसित होती है। उन्होंने कहा कि मुख्य वक्ता के अनुभव और प्रस्तुतीकरण से विद्यार्थियों में विशेष उत्सुकता और जिज्ञासा देखने को मिली। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट के माध्यम से स्क्रीन डिस्प्ले पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर के इवेंट प्लानिंग प्रोजेक्ट्स के डेमो भी दिखाए गए, जिससे उन्हें व्यवहारिक समझ विकसित करने में मदद मिली। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त स्टाफ ने भी सक्रिय सहभागिता निभाई और विद्यार्थियों के उत्साह एवं जिज्ञासा को प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम अंत में विद्यार्थियों ने ऐसे ज्ञानवर्धक सत्रों को नियमित रूप से आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

राजकीय कॉलेज पाटन में नशा मुक्ति पर व्याख्यान

पूर्व प्राचार्य जी.के. सैनी ने छात्रों को नशे के दुष्प्रभाव बताए

भीम प्रज्ञा न्यूज

पाटन (राजस्थान) । राजकीय कॉलेज पाटन में गुरुवार को नशा मुक्ति विषय पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राजकीय कॉलेज, नीमकाथाना के पूर्व प्राचार्य प्रोफेसर जी.के. सैनी मुख्य अतिथि एवं मुख्य वक्ता रहे। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मदन लाल मीना ने बताया कि इस व्याख्यान का उद्देश्य विद्यार्थियों को नशे के गंभीर परिणामों के प्रति जागरूक करना था। प्रोफेसर सैनी ने अपने व्यापक शैक्षणिक और प्रशासनिक अनुभवों को साझा करते हुए छात्रों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर कॉलेज के सहायक आचार्य किरण यादव, ज्योति शर्मा, सरोज गुर्जर, रितु शर्मा, डॉ. सीता मीणा, डॉ. धर्मवीर कुमावत और डॉ. सुमैया सहित अन्य स्टाफ सदस्य भी मौजूद रहे।

श्री कृष्ण जिम क्लब में भीम प्रज्ञा पंचांग-2026 का लोकार्पण

भीम प्रज्ञा न्यूज़ पचेरी।।

श्री कृष्ण जिम क्लब में बुधवार सुबह एक सादे एवं गरिमामय कार्यक्रम के दौरान भीम प्रज्ञा कैलेंडर क्लब के सदस्यों को भेंट किए गए। इस अवसर पर भीम प्रज्ञा पंचांग-2026 का विधिवत लोकार्पण कर उसे सभी साथियों में वितरित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन क्लब के सीनरी आइकॉन हनुमान प्रसाद के नेतृत्व में किया गया, जिसमें क्लब के डायरेक्टर हरप्रीत यादव एवं भीम प्रज्ञा के संपादक हरेश पंवार विशेष रूप से उपस्थित रहे। अतिथियों ने पंचांग का लोकार्पण करते हुए कहा कि भीम प्रज्ञा पंचांग सामाजिक, सांस्कृतिक एवं बौद्धिक चेतना का संवाहक है और समाज को दिशा देने का कार्य करता है। इस अवसर पर क्लब सदस्यों ने भीम प्रज्ञा पंचांग-2026 की सराहना करते हुए इसे उपयोगी एवं प्रेरणादायी बताया। कार्यक्रम के दौरान सौहार्दपूर्ण वातावरण में पंचांग का वितरण किया गया और सभी सदस्यों ने इसे अपने दैनिक जीवन में उपयोगी बताया। अंत में आयोजकों ने उपस्थित सभी साथियों का आभार व्यक्त करते हुए सामाजिक और रचनात्मक गतिविधियों में निरंतर सहभागिता बनाए रखने का संकल्प व्यक्त किया।

कानसिंह मीणा की मनाई द्वितीय पुण्यतिथि ,सर्वधर्म प्रार्थना और श्रद्धांजलि सभा का किया आयोजन

भीम प्रज्ञा न्यूज़ मंडावा, पवन कुमार शर्मा

मंडावा तहसील के गांव भोजासर में समाज सुधारक, गरीबों की मसीहा, मीणा समाज के आधार स्तंभ रहे गुरुजी स्व. कानसिंह मीणा की उनके परिवार की ओर से द्वितीय पुण्यतिथि मनाई गई। इस अवसर पर सर्वधर्म प्रार्थना और श्रद्धांजलि सभा का भी आयोजन किया गया। इस मौके पर वक्ताओं ने गुरुजी को झुंझुनू जिले की गांधी की संज्ञा देते हुए उन्होंने बताया कि कानसिंह मीणा जीवन पर्यंत सर्वधर्म के जरूरतमंद लोगों की मदद करते रहे। उन्होंने जीवन पर्यंत मीणा समाज के उत्थान व शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दिया। ऐसे महापुरुष के योगदान को समाज कभी नहीं भूला सकेगा। स्व.कानसिंह मीणा समाज के लोगों के दिलों में बसते हैं। इस दौरान लोगों ने सरकार से मांग की गई कि समाज सुधारक स्व.कानसिंह के नाम पर जिला मुख्यालय पर स्टैच्यू लगाया जाए तथा सड़क का नामकरण किया जाए। इस अवसर पर उनके पुत्र वीरेंद्र सिंह मीणा, सुरेंद्र सिंह मीणा, राजेंद्र सिंह मीणा व नरेंद्र सिंह मीणा, ओर परिवारजनो द्वारा जरूरतमंद लोगों को गर्म कंबल तथा नवयुवक मंडल भोजासर की फुटबाल टीम को युनिफोर्म वितरण की गई।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि बाबूलाल मीणा एसएचओ जाटाली चोमू, कार्यक्रम की अध्यक्षता भोजासर सरपंच ओमप्रकाश मील ने की। विशिष्ट अतिथि बनवारी लाल मीणा पूर्व जिलाध्यक्ष, कैप्टेन बालूराम मीणा पूर्व जिलाध्यक्ष, सुरजाराम नाहरसिंघानी पूर्व जिलाध्यक्ष मीणा समाज झुंझुनूं, रतन मीणा जोधपुरा जिलाध्यक्ष कांग्रेस एसटी प्रकोष्ठ, दिलीप कुमार मीणा पूर्व जिलाध्यक्ष, सुरेश मीणा किशोरपुरा, प्रदेशाध्यक्ष मीन सेना, रामचंद्र मीणा अध्यक्ष मीणा छात्रावास टोडी, अमर सिंह धीरज जिलाध्यक्ष एसी प्रकोष्ठ, हरिसिंह मीणा उपाध्यक्ष आदिवासी सेवा संस्थान झुंझुनूं, परमेश्वरलाल मीणा तहसील अध्यक्ष मण्डावा, दिनेश झाझडिया पं. स. सदस्य, सुरेश सुण्डा पूर्व सरपंच बहादुरवास थे। कार्यक्रम का संचालन रामावतार सैन व एडवोकेट धर्मवीर मीणा झुंझुनूं ने किया। कार्यक्रम में भंवरलाल मीणा कंकडेऊ, ताराचंद मीणा भोजासर, प्यारेलाल मीणा से.नि. प्रधानाचार्य भोजासर, महेंद्र सिंह मीणा कासिमपुरा ने आगन्तुकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के दौरा संपूर्ण शेखावाटी क्षेत्र से पधारे सर्व समाज के महिलाओं और पुरुषों ने स्व. कान सिंह मीणा के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

जरूरतमंद लोगों को गर्म कंबल , नवयुवक मंडल भोजासर फुटबाल टीम को युनिफोर्म का किया वितरण

डांट की जगह प्यार, मोबाइल की जगह पढ़ाई...

नया साल सिर्फ बच्चों के लिए ही नहीं, बल्कि पेरेंट्स के लिए भी आत्ममंथन का समय होता है। अगर माता-पिता कुछ अच्छे रेज़ोल्यूशन्स अपनाएं, तो बच्चों की परवरिश और भविष्य दोनों बेहतर बन सकते हैं। आज के समय में परफेक्ट पेरेंट नहीं, प्रेज़ेंट पेरेंट बनना ज़रूरी है। जब माता-पिता बदलते हैं, तो बच्चे खुद-ब-खुद बेहतर बनते हैं।

बच्चों को समय देने का रेज़ोल्यूशन

आज की भागदौड़ में सबसे ज़्यादा कमी क्वालिटी टाइम की होती है। रोज़ कम से कम 30 मिनट बिना मोबाइल बच्चों के साथ बिताएं, उनकी बातें ध्यान से सुनें। इससे बच्चों में आत्मविश्वास बढ़ता है। बच्चे देखकर सीखते हैं। खुद का स्क्रीन टाइम कम करें, खाने और बात करते समय मोबाइल दूर रखें। इससे बच्चों में डिजिटल लत से बचाव होगा

हेल्दी खानपान की आदत खुद अपनाएंगे

जंक फूड कम करें। घर के खाने को प्राथमिकता दें। बच्चा भी वही खाएगा जो माता-पिता खाते हैं। उन्हें नेचर से जोड़ें। बच्चों को कृतज्ञता, विनम्रता सिखाने से अच्छे संस्कार विकसित होते हैं

बच्चों की नींद को प्राथमिकता देंगे

इस बात का प्रण लें कि देर रात मोबाइल/टीवी की आदत नहीं फिक्स स्लीप रूटीन अपनाएंगे। इससे बच्चे की ग्रोथ, इम्युनिटी और पढ़ाई पर असर पड़ता है। उनकी फीलिंग्स को नजरअंदाज ना करें, डर, गुस्सा, उदासी पर खुलकर बात करें। इससे बच्चा इमोशनली मजबूत बनता है

तुलना करना बंद करेंगे

किसी और बच्चे से अपने बच्चे की तुलना ना करें। बच्चे की यूनिक पहचान को स्वीकार करेंगे। इससे मेंटल प्रेशर और हीन भावना नहीं आती। बच्चे को नंबर से ज़्यादा सीखाने पर फोकस करें। गलती पर डांट नहीं, समझाएं, इससे सीखने का डर खत्म होता है। सिर्फ सख्ती नहीं प्यार और नियम दोनों का संतुलन। इससे बच्चा बात छुपाने की बजाय शेयर करना सीखेगा।

सर्दी में नवजात शिशु की कैसे करें देखभाल?

सर्दियों में सेहत का ध्यान बहुत रखना पड़ता है. छोटे हों या फिर बड़े इस मौसम में हर कोई सर्दी-खांसी और मौसमी बीमारियों से ग्रस्त हो सकता है. ऐसे में नवजात शिशु की देखभाल तो बहुत जरूरी और महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि उनकी त्वचा और शरीर अभी भी विकसित हो रहे होते हैं. हैदराबाद के यशोदा हॉस्पिटल्स में कंसल्टेंट पीडियाट्रिक न्यूरोलॉजिस्ट, डॉ. एन. वर्षा मोनिका रेड्डी ने बताया कि सर्दी के मौसम में न्यूबॉर्न बेबी की देखभाल करने के लिए क्या करना चाहिए.

बच्चे की सेफ्टी

कमरे के तापमान के लिए आदर्श रेंज 20-22एष्ट (68-72एस्र) है. दम घुटने के जोखिम को कम करने के लिए, ढीली रजाई की जगह स्लीप बैग या पहनने वाली कंबल का इस्तेमाल करें. बच्चे को पालने में पीठ के बल लिटाएं, जिसमें तकिए, बंपर या भारी कंबल बिल्कुल न हों. बाहर उनके सिर, हाथों और पैरों को ढकें. घर के अंदर टोपी की जरूरत नहीं है जब तक कि जगह हवादार न हो.

हाइड्रेशन और मॉइश्चराइजेशन

सर्दियों में मौसम में इस बात का ध्यान दें कि आपका बच्चा अच्छी तरह से हाइड्रेटेड और मॉइस्चराइज्ड रहें. न्यूबॉर्न बच्चों को हर दो से तीन दिन में गुनगुने पानी और पेट्रोलियम जेली जैसी खुशबू रहित चीजों से नहलाना चाहिए, क्योंकि ठंडी हवा उनकी नाजुक त्वचा को डिहाइड्रेट कर देती है, जिससे दरारें या डर्मेटाइटिस हो सकता है. बच्चों को अतिरिक्त पानी की जरूरत नहीं होती है, इसलिए उन्हें नियमित रूप से फॉर्मूला या ब्रेस्ट मिल्क देते रहें. डिहाइड्रेशन के संकेतों के लिए गीले डायपर चेक करें, हर दिन कम से कम छह डायपर बदलने की कोशिश करें.

इम्यूनिटी बढ़ाएं

सर्दियों में फ्लू और आरएसवी जैसे वायरस आते हैं. ऐसे में ध्यान रखें कि आपके बच्चे के टीकाकरण पूरे हों, जिसमें छह महीने की उम्र से फ्लू का टीका भी शामिल है. मेहमानों को सीमित करें, खासकर जिन्हें सर्दी-जुकाम हो और सुनिश्चित करें कि वे अपने हाथ धोएं. हीटर से होने वाली सूखी इनडोर हवा से लड़ने और कंजेशन और खांसी को कम करने के लिए, कूल-मिस्ट ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करें.

बाहर जाने के लिए जरूरी चीजें

अगर ज्यादा ठंड नहीं है, तो छोटी-मोटी सैर की जा सकती है. अगर हवा चल रही है या प्रदूषण है, तो बाहर न जाएं.

परेशानी के संकेत?

सुस्ती, ठीक से खाना न खाना, बुखार या सांस लेने में दिक्कत होने पर तुरंत हॉस्पिटल जाना जरूरी है.

हर माता-पिता अपने बच्चे की ख़ुशी के लिए अच्छी से अच्छी परवरिश करना चाहते हैं. लेकिन कई बार कुछ सिखाने और लाड-प्यार के कारण पेरेंट्स जाने-अनजाने कुछ ऐसी गलतियां कर बैठते हैं जो बच्चे के भविष्य पर काफी ज्यादा नेगेटिव असर डालती है. हर मां-बाप को ध्यान रखना चाहिए कि एक बच्चे का बचपन ही उसके पूरे जीवन की नींव होता है. इस दौरान की गई छोटी से छोटी लापरवाही बच्चे के फ्यूचर पर मानसिक और भावनात्मक रूप से नेगेटिव प्रभाव डाल सकती है. ऐसी गलतियों से बच्चों का आत्मविश्वास टूट सकता है और वे डरपोक भी बन सकते हैं. इसी कड़ी में आज हम आपको 5 ऐसी पेरेंटिंग गलतियों के बारे में बताने जा रहे हैं जो माता-पिता अक्सर करते हैं. इन गलतियों से बच्चों को बड़े होकर काफी ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है.

बच्चों के बचपन में पेरेंट्स को भूलकर भी नहीं करनी चाहिए ये 5 गलतियां

बड़े होकर हो सकती हैं कई परेशानियां

1. दूसरों से तुलना

कई बार जब बच्चों की पढ़ाई या खेल-कूद में अच्छी परफॉर्मेंस नहीं रहती है तो पेरेंट्स दूसरे बच्चों से तुलना करते हैं. इससे बच्चे खुद को दूसरों से काफी कम समझना शुरू कर देते हैं, जो कि काफी गलत है. इससे बच्चों का कॉन्फिडेंस भी टूट सकता है. ऐसे में दूसरों से तुलना करने की जगह आप बच्चों की तारीफ और प्रोत्साहित करें.

2. हमेशा कंट्रोल करने की आदत

कई माता-पिता अपने बच्चों को छोटी-छोटी चीजों पर काफी ज्यादा टोकते हैं या फिर उन्हें कंट्रोल करना शुरू कर देते हैं. हालांकि बच्चों को सीखाना और गलतियों पर समझाना भी काफी जरूरी होता है. लेकिन बार-बार एक ही चीज को लेकर कंट्रोल करने से उनकी डिसीजन लेने की क्षमता काफी कमजोर हो सकती है. ऐसे में बच्चों को दूसरों पर निर्भर रहने की आदत पड़ जाती है.

3. प्यार न दिखाना

अक्सर पेरेंट्स ये सोचते हैं कि ज्यादा लाड-प्यार दिखाने से बच्चा बिगड़ सकता है या फिर गलत फायदा उठा सकता है. लेकिन सच्चाई ये है कि मां-बाप के प्यार दिखाने से बच्चे खुद को मानसिक रूप से मजबूत और सुरक्षित महसूस करते हैं. ऐसे में आप बच्चों के बचपन में उन्हें प्यार दिखाने में बिल्कुल भी कंजूसी न करें.

4. बच्चों की फीलिंग्स को न समझना

छोटे बच्चे अक्सर छोटी-छोटी बातों पर रोना शुरू कर देते हैं और इसपर पेरेंट्स उन्हें डांट देते हैं कि इतनी छोटी बात पर रो क्यों रहे हो? पेरेंट्स का ये व्यवहार बच्चों पर काफी नकारात्मक प्रभाव डालता है. इससे वे अपने इमोशन्स दबाना सीख जाते हैं और छोटी से लेकर बड़ी बातों को माता-पिता से छिपाना शुरू कर देते हैं. ऐसे में पेरेंट्स को बच्चों की फीलिंग्स समझना काफी जरूरी है.

5. परफेक्शन की चाहत

हर मां-बाप चाहते हैं कि उनका बच्चा पढ़ाई से लेकर खेल तक हर फील्ड में टॉप परफॉर्मर रहे. लेकिन कई बार परफेक्शन का दबाव बच्चों में फेल होने का डर बढ़ा देता है. ऐसे में पेरेंट्स को बच्चों पर परफेक्शन का दबाव बनाने से बचना चाहिए.

जो भी पढ़ेंगे सब रहेगा याद बस पढ़ाई से पहले बच्चों को पिलाएं ये ब्रेन बूस्टिंग शेक

अक्सर माता-पिता की शिकायत होती है कि बच्चे पढ़ाई तो करते हैं, लेकिन उन्हें याद नहीं रहता। इसकी एक बड़ी वजह कमजोर याददाश्त और कम एकाग्रता हो सकती है। ऐसे में बच्चों की डाइट में सही पोषण शामिल करना बहुत जरूरी है। सर्टिफाइड न्यूट्रिशनिस्ट राजमनी पटेल ने एक आसान और हेल्दी ब्रेन बूस्टिंग शेक की रेसिपी शेयर की है, जिसे पढ़ाई से पहले पीने पर बच्चों की मेमोरी और फोकस बेहतर हो सकता है।

क्या है ब्रेन बूस्टिंग शेक?

यह शेक पूरी तरह नेचुरल चीजों से बनाया जाता है, जो दिमाग को एक्टिव रखने, याददाश्त मजबूत करने और पढ़ाई के समय ध्यान बढ़ाने में मदद करता है। इसे सुबह नाश्ते में या शाम को पढ़ाई से पहले दिया जा सकता है।

ब्रेन बूस्टिंग शेक की सामग्री

1 पका हुआ केला
5-6 अखरोट (भीगे हुए)
1 गिलास दूध
1 चम्मच शहद या 1-2 खजूर
1 चुटकी दालचीनी पाउडर

कैसे बनाएं यह शेक?

सबसे पहले अखरोट को रातभर या कम से कम 4-5 घंटे पानी में भिगो दें। अब ब्लेंडर में केला, भीगे हुए अखरोट, दूध और शहद या खजूर डालें। सभी चीजों को अच्छी तरह ब्लेंड करें, जब तक शेक स्मूद और क्रीमी न हो जाए। अंत में ऊपर से थोड़ा दालचीनी पाउडर डालें और शेक तैयार है। इसे ठंडा या सामान्य तापमान पर पिलाया जा सकता है।

क्यों है यह शेक बच्चों के लिए फायदेमंद?

केला बच्चों को तुरंत ऊर्जा देता है और दिमाग को फोकस करने में मदद करता है। अखरोट में मौजूद ओमेगा-3 फैटी एसिड और एंटीऑक्सीडेंट याददाश्त और सीखने की क्षमता बढ़ाते हैं। दूध प्रोटीन, कैल्शियम और विटामिन क्च2 से भरपूर होता है, जो दिमाग और नर्वस सिस्टम को मजबूत बनाता है। दालचीनी ब्लड सर्कुलेशन बेहतर करती है, जिससे ब्रेन ज्यादा एक्टिव रहता है।

किन बातों का रखें ध्यान?

अगर बच्चे को लैक्टोज इनटॉलरेंस है, तो दूध की जगह बादाम या ओट्स मिल्क इस्तेमाल करें। अखरोट ज्यादा मात्रा में न डालें, वरना पेट फूलने की समस्या हो सकती है। इस शेक को रात में देर से न दें, क्योंकि इससे भारीपन महसूस हो सकता है। यह ब्रेन बूस्टिंग शेक बच्चों के लिए एक हेल्दी और आसान विकल्प है, जो पढ़ाई से पहले देने पर उनकी याददाश्त और एकाग्रता बढ़ाने में मदद कर सकता है। हालांकि, किसी भी हेल्थ रेसिपी को नियमित रूप से अपनाने से पहले डॉक्टर या न्यूट्रिशन एक्सपर्ट की सलाह लेना बेहतर होता है।

छोटे बच्चों को चाय और कॉफी देना कितना सही है

घर पर हर कोई सुबह उठते ही चाय-कॉफी पीता है, जो बच्चे अपने माता-पिता को रोज घर पर चाय-कॉफी पीते देखते हैं, उनमें भी इसे पीने की इच्छा जागती है. वे चाय-कॉफी मांगने भी लगते हैं. एक्सपर्ट के अनुसार, चाय-कॉफी बड़ों की हेल्थ के लिए अच्छी नहीं होतीं, क्योंकि इनमें कैफीन की मात्रा अधिक होती है. चाय में टैनिन नामक पदार्थ होता है. यह हमारे शरीर को भोजन से आयरन को अवशोषित करने से रोकता है. ऐसे में अगर बच्चों को ऐसी चीजें दें, तो क्या होगा? चलिए आपको बताते हैं बच्चों को चाय और कॉफी देना कितना सही है.

छोटे बच्चों को चाय और कॉफी दें तो क्या होगा?

एक्सपर्ट के अनुसार, दस साल से कम उम्र के बच्चों को गलती से भी चाय और कॉफी नहीं देनी चाहिए. यह उनके स्वास्थ्य के लिए बहुत हानिकारक हो सकता है. इनका शारीरिक विकास पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है, ये बच्चों के पाचन तंत्र को भी प्रभावित करते हैं. चाय और कॉफी में कैफीन होता है, जो पेट में अन्य पोषक तत्वों के अवशोषण को रोकता है. इससे बच्चों का शारीरिक विकास धीमा हो जाता है.

नींद की समस्या

चाय और कॉफी में मौजूद कैफीन मानसिक सतर्कता को सीधे प्रभावित कर सकता है. इससे नींद का सामान्य चक्र बिगड़ सकता है. आपके बच्चे दिन में या शाम को चाय पीते हैं, तो इससे उनकी नींद में खलल पड़ सकता है. इससे नींद संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं.

हार्ट हेल्थ

चाय और कॉफी बुजुर्गों से लेकर बच्चों तक सभी के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं. चाय में मौजूद कैफीन हार्ट को नुकसान पहुंचा सकता है और ब्लड प्रेशर को बढ़ा सकता है.

डिप्रेशन

कैफीन डिप्रेशन को बढ़ाने के लिए पर्याप्त है. चाय और कॉफी शरीर में कैफीन के मुख्य स्रोत हैं. चाय पीने से चिंता, अवसाद और तनाव जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं. आपके बच्चे भी चाय पीते हैं, तो उन्हें भी इन समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है.

विद्यार्थियों ने जागरूकता रैली के माध्यम से दिया जल संरक्षण का संदेश

भीम प्रज्ञा न्यूज़ मंडावा पवन कुमार शर्मा

राजस्थान नगरीय आधारभूत विकास परियोजना की सामुदायिक जागरूकता एवं जन सहभागिता इकाई के जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस रैली का उद्देश्य नागरिकों को नई जल प्रदाय योजना के महत्व के बारे में जल मीटर से होने वाले वाले फायदों के बारे में, जल संरक्षण के बारे में जागरूक करना था। रैली आरयूआईडीपी के अधिशाषी अभियंता देवेन्द्र कुमार सैनी के मार्गदर्शन से आयोजित हुई। रैली को बाल भारती विद्या निकेतन स्कूल के निदेशक राजेंद्र सनोदिया एवं कैप आरयूआईडीपी विभाग, जयपुर से आए जेंडर एक्सपर्ट चिंरजी लाल चंदेल व मनोज श्रीवास्तव ने छात्र-छात्राओं को रवाना किया विद्यार्थियों ने रैली के साथ हाथों में तख्तियां व विभिन्न नारों के माध्यम से जल बचाने का संदेश देकर जागरूक किया जिसमें जन-जन ने ये ठाना है, पानी को बचाना है। जल का हम सब समझें मोल, मिले सहज पर है अनमोल। पानी बचाने का करो जतन, पानी है बहुमूल्य रतन। जल संरक्षण हो हम सबका नारा, संतुलित रहे पर्यावरण हमारा। आज यह नियम बनाना है सुबह शाम पानी बचाना है। रैली विद्यालय से प्रारंभ होकर भार्गव मोहल्ला से रैगरान मोहल्ला होते हुए वापिस स्कूल प्रागण हुची। इस अवसर पर कैप-आरयूआईडीपी के सामुदायिक विकास अधिकारी अनिल रुहेला ने छात्र-छात्राओं को नई जलप्रदाय योजना से होने वाले लाभों के बारे मे जानकारी देते हुए कहा कि आम जन को नई जल प्रदाय योजना के अन्तर्गत पानी पर्याप्त एवं पूर्ण प्रेशर के साथ मिल रहा है, जल मीटर से होने वाले लाभों के बारे में जानकारी दी और बच्चों से अपील कि पानी को किसी भी तरह बर्बाद नहीं करें,आवश्यकतानुसार ही जल का उपयोग करें पानी की एक-एक बून्द बचाए क्योंकि यह आज की बचत कल का भविष्य है । इस अवसर पर बच्चों को जल संरक्षण पर शपथ भी दिलाई हई। इस अवसर पर मैसर्स एल. एन. ए. आर एंड बी (जेवी) के एसओटी संदीप स्वामी सहित विद्यालय के स्टाफ ने कार्यक्रम में सहयोग देकर रैली को सफल बनाने में योगदान दिया।

रेवाड़ी में महापुरुषों के नाम पर बनाए जाएंगे द्वार तो वहीं दो कवियों के नाम पर स्थापित होंगे चौक

नगर परिषद हाउस की बैठक में एक दर्जन से अधिक प्रस्ताव ध्वनिमत से हुए पारित

भीम प्रज्ञा न्यूज़ रेवाड़ी (भांडोरिया) -

रेवाड़ी नगर परिषद में बृहस्पतिवार को हाउस की बैठक का आयोजन किया गया। प्रधान पूनम यादव की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में में पहले बजट को लेकर चर्चा हुई। तत्पश्चात शहर के विभिन्न मार्गो पर स्वागत द्वार और दो कवियों के नाम पर चौक नामकरण को लेकर आए प्रस्ताव पर मुहर लगाई गई तो वहीं शहर की विभिन्न समस्याओं पर भी चर्चा की गई। बता दें कि जल्द नगर परिषद के चुनाव की तारीख का ऐलान हो सकता है। मौजूदा चेयरपर्सन का कार्यकाल 17 जनवरी को पूरा हो रहा है। इसलिए आज हुई बैठक इस कार्यकाल की अंतिम बैठक रही। बैठक में जो प्रस्ताव ध्वनिमत से पारित किए गए उनमें गढ़ी बोलनी रोड़ पर नगर परिषद की सीमा में महाराजा अग्रसेन द्वार, नारनौल रोड़ पर राजकुमारी सुमित्रा बाई द्वार, दिल्ली रोड़ पर सहस्त्र भाऊ अर्जुन पीतल नगरी स्वागत द्वार, बावल रोड़ पर राव तुलाराम द्वार, झज्जर रोड़ पर भगवान विश्वकर्मा द्वार, महेंद्रगढ़ रोड़ हेमचन्द विक्रमादित्य द्वार, भाड़ावास रोड़ भगवान परशुराम द्वार, बाईपास स्थित संत कबीर चौक से नसियाजी रोड़ की तरफ आने वाले मार्ग पर संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज द्वार बनाने,

प्राचीन बड़ा तालाब हनुमान मंदिर के पास भगवान श्रीराम के नाम से गेट बनवाने, रामगढ़ रोड़ पर महाराजा दक्ष प्रजापति द्वार, कर्नल रामसिंह चौक को नेशनल हाईवे से जोड़ने वाले मार्ग पर राव गोपाल देव द्वार तथा शहर के महर्षि वाल्मीकि आश्रम की ओर जाने वाले मार्ग पर महर्षि वाल्मीकि द्वार बनाने के प्रस्ताव प्रमुख रहे। साथ ही राव बीरेन्द्र सिंह मार्ग यानी बाईपास पर सेक्टर 3 और 18 के टी प्वाइंट पर पूर्व प्रधानमंत्री व कवि अटल बिहारी वाजपेयी तथा भाड़ावास रोड़ स्थित अनाज मंडी के टी प्वाइंट पर सांग सम्राट व लोक कवि मास्टर नेकीराम के नाम से चौक बनाने के प्रस्ताव पारित किए गए।

वहीं बैठक में वार्ड 25 के कंकरवाली जोहड़ में डॉ. भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा लगाने, वार्ड 4 के नया गांव दौलतपुर के ग्रामीणों द्वारा अपने खर्च पर राव बिरेन्द्र सिंह स्वागत गेट बनाने की अनुमति देने, दिल्ली रोड़ स्थित गौ रक्षक सोनू सरपंच के चौक के निर्माण, राव तुलाराम पार्क में राव तुलाराम की बड़ी प्रतिमा लगाने बारे, सती कॉलोनी मोड़ से एवरेस्ट सिनेमा तक के रोड़ का नाम कारण स्वतंत्रता सेनानी लक्ष्मण सिंह यादव के नाम से करने बारे भी प्रस्ताव पास किए गए। बैठक में ये प्रस्ताव भी पास किया गया कि गांव जाटूवास में नगर परिषद की 10 एकड़ 5 कनाल जमीन पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट को सौंपकर जलघर बनाया जा सकता है। ताकि शहर में जल आपूर्ति में दिक्कत ना आए। बैठक के दौरान कई पार्षदों ने अलग-अलग समस्याएं रखी। जिसमें नई सड़क बनने के कुछ दिन बाद ही सड़क की रो निकलने, बेसहारा पशु, कुत्ते और बंदरों की समस्या सहित शहर की सफाई व्यवस्था, अवैध होर्डिंग, नगर परिषद् की जमीन पर अवैध कब्जों का मुद्दा भी उठाया गया। जिस पर नगर परिषद ईओ सुशील कुमार भुक्कल ने कहा कि सफाई व्यवस्था के लिए जरुरी नया सामान ख़रीदा गया है, जो जल्द रेवाड़ी में आ जाएगा। वहीं सफाई कर्मचारियों की भर्ती का प्रोसेस जारी है। वहीं सड़क से रोड़ियां निकलने के मामले पर ईओ ने कहा कि जाँच कराकर कार्रवाई की जाएगी। वहीं शहर के चौक चोराहों पर लगे अवैध पोस्टर बैनर को हटाने पर तुरंत कार्रवाई करने का भरोसा दिया, साथ ही कहा कि नगर परिषद की जमीन उन्होंने चिन्हित कर चारदीवारी और तार फेंसिंग करने का काम किया है।

टोहाना में नीमा की बैठक, आयुष काउंसिल चुनाव को लेकर प्रत्याशियों ने मांगा समर्थन

नीमा टोहाना के सदस्यों ने सभी अतिथियों का किया माल्यार्पण

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । टोहाना के रेड स्टार होटल में कल नेशनल इंटीग्रिटी मेडिकल एसोसिएशन नीमा) टोहाना ब्रांच की अहम बैठक का आयोजन किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य काउंसिल ऑफ इंडियन मेडिसिन, हरियाणा के आगामी चुनावों को लेकर प्रत्याशियों का परिचय और मतदाताओं से सीधा संवाद करना रहा। बैठक में परिषद चुनाव के प्रत्याशी डॉ. विनय (पंचकूला), डॉ. दिनेश (करनाल), डॉ. धर्मपाल (रोहतक), डॉ. कुलदीप (हिसार) और डॉ. विजय (जींद) विशेष रूप से मौजूद रहे। प्रत्याशियों ने आयुष पद्धति के हितों की रक्षा, चिकित्सकों की समस्याओं के समाधान और परिषद को मजबूत बनाने को लेकर अपने विचार रखे तथा सभी प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान की अपील की। इस अवसर पर नीमा के फाउंडर सदस्य सुदेश मोहन कोशिश की देवी-देवताओं की तस्वीरें भेंट कर सम्मान किया और उन्हें पूर्ण समर्थन देने का आश्वासन दिया। कार्यक्रम का संचालन नीमा टोहाना के प्रधान डॉ. गगनदीप गर्ग और संरक्षक डॉ. शिव सचदेवा ने किया। जलपान व्यवस्था की जिम्मेदारी सचिव डॉ. लक्ष्मी नारायण ने निभाई। बैठक में डॉ. आर. के. शर्मा, डॉ. बलविंदर सिंह, डॉ. संजय भारती, डॉ. मनदीप ग्रोवर, डॉ. दर्शन सैनी, डॉ. रोहित बंसल, डॉ. गगन गिल, डॉ. पंकज सिंह, डॉ. बृजमोहन, डॉ. मनोज वत्स कुला सहित बडी संख्या में सदस्य मौजूद रहे। वहीं नीमा रतिया के प्रधान डॉ. नीरज कटारिया और सचिव डॉ. भारत की भी विशेष उपस्थिति रही।

पीपलू पुलिस की बड़ी कार्रवाई, हत्या प्रकरण में प्रयुक्त स्कॉर्पियो व बोलेरो सहित दो आरोपी गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोंक।

राकेश कुमार बेरवा । पीपलू थाना पुलिस ने जानलेवा हमले व हत्या के मामले में बड़ी सफलता हासिल करते हुए प्रकरण में प्रयुक्त एक स्कॉर्पियो एवं एक बोलेरो वाहन को जब्त कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक टोंक राकेश कुमार बैरवा एवं रतनलाल भार्गव के निर्देशन में, पुलिस उप अधीक्षक पीपलू रामावतार के सुपरविजन में की गई। पुलिस के अनुसार थाना पीपलू में दर्ज प्रकरण संख्या 142/2025 हत्या के मामले में गिरोह बनाकर अपराध कारित करने वाले आरोपियों की धरपकड़ के लिए विशेष टीम का गठन किया गया था। उप निरीक्षक राजकुमार एवं उप निरीक्षक ओमप्रकाश के नेतृत्व में गठित टीम ने तत्परता दिखाते हुए मामले में प्रयुक्त बोलेरो वाहन संख्या RJ 14 UN 7120 तथा बोलेरो कैंपर संख्या RJ 14 GT 6213 को आरोपियों सोएब खान उर्फ सोफटी एवं अमन शर्मा की निशानदेही पर जब्त किया। पुलिस ने बताया कि प्रकरण में अब तक कुल 12 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जबकि शेष आरोपियों की तलाश जारी है। मामले में अनुसंधान निरंतर प्रगति पर है। इस कार्रवाई में डीएसटी टोंक एवं थाना पीपलू स्तर पर गठित टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। गठित टीम में ओमप्रकाश चौधरी, उप निरीक्षक प्रभारी डीएसटी एवं डीएसटी टीम तथा राजकुमार, उप निरीक्षक एवं थाना अधिकारी पीपलू मय थाना टीम शामिल रहे। पीपलू पुलिस की इस कार्रवाई को गंभीर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

शीतलहर व पाले से रबी फसलों के संबंध में एडवाइजरी जारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

किसानो को शीतलहर व पाले से रबी फसलों को होने वाले संभावित नुकसान के लिए एडवाइजरी जारी की गई है, ताकि किसान सतर्क रहकर फसलों की सुरक्षा कर सकें। पाले के प्रभाव से पौधों की पत्तियां व फूल झुलसकर झड. जाते है एंव पौधों की फलियों-बालियों में दाने नही बनते है या सिकुड. जाते है। रबी की फसलों में फूल व बालियों के समय पाला पडनें पर सर्वाधिक नुकसान की संभावना रहती है। कृषि अनुसंधान अधिकारी (पौध व्याधि) अनुपम महर्षि ने बताया कि फसलों में पाले से सुरक्षा :- जब पारा 05 डिग्री सेल्सियस तक गिर जाये और फसले में फूल और फल बनने की अवस्था में हो तब पाले से सुरक्षा हेतु 0.1 प्रतिशत (1 लीटर पानी में 1 मिली) व्यावसायिक उपयोग वाले गंधक के तेजाब के पानी में घोल बनाकर छिडकाव करें (यानि 1000 लीटर पानी में एक लीटर गंधक का तेजाब मिलाकर एक हैक्टेयर में स्प्रेयर द्वारा पौधों पर अच्छी तरह से छिडकाव करें) तथा आवश्यक समझे तो 15 दिन के अन्तराल पर छिडकाव दोहरायें। इसके अतिरिक्ति फसलों में सिंचाई कर पाले से बचाव किया जा सकता है।

साक्षरता के संदेश के साथ सड़क पर उतरा जागरूकता वाहन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम के अंतर्गत समाज के प्रत्येक वर्ग को साक्षर बनाने के उद्देश्य से गुरुवार को साक्षरता जागरूकता रथ को जिला कलेक्टर कार्यालय झुंझुनूं से उपखंड अधिकारी झुंझुनूं कौशल्या बिश्नोई एवं जिला जनसंपर्क अधिकारी हिमांशु सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। जिला साक्षरता एवं सतत शिक्षा अधिकारी योगेन्द्र सिंह ने बताया कि उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी नागरिक शिक्षा से वंचित न रहे। इस उद्देश्य की प्राप्ति हेतु यह साक्षरता रथ जिले के समस्त ब्लॉकों में भ्रमण कर निरक्षर एवं अल्प साक्षर नागरिकों को पढ़ना-लिखना, दैनिक उपयोगी गणितीय ज्ञान, डिजिटल साक्षरता एवं आत्मनिर्भरता प्राप्त करने हेतु उल्लास कार्यक्रम से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करेगा। यह रथ अपने भ्रमण के दौरान जिले के समस्त ब्लॉकों में चिन्हित ग्राम पंचायतों में पहुंचकर बैनर, पोस्टर व ऑडियो संदेशों के माध्यम से साक्षरता के महत्व का प्रचार-प्रसार करेगा। साक्षरता जागरूकता रथ की रवानगी के अवसर पर डाइट व्याख्याता दामोदर जांगिड़, सहायक परियोजना अधिकारी रीना बाई, सहायक सांख्यिकी अधिकारी योगेन्द्र सिंह एवं व्याख्याता अजय सिंह मौजूद रहें।

राष्ट्र जागरण ज्योति कलश रथ यात्रा को लेकर व्यापक जनसंपर्क अभियान लगातार जारी

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नवलगढ़।

कमल किशोर पंवार । राष्ट्र जागरण ज्योति कलश रथ यात्रा के सफल आयोजन हेतु गायत्री परिवार नवलगढ़ द्वारा व्यापक स्तर पर जनसंपर्क अभियान चलाया गया। इस उद्देश्य से 5...5 वरिष्ठ परिजनों की तीन अलग-अलग टीमें गठित कर नवलगढ़ विधानसभा क्षेत्र के अनेक गांवों में संपर्क किया गया। टीमों द्वारा झाझड़, गोठड़ा, देवगांव, परसरामपुरा, भोजनगर, टोडपुरा, टोंक छिलरी, चिराना, गोल्याणा, बारवा, बसावा, खिरोड़, मोहनवाड़ी, नवलडी,बड़वासी, बिरोल, बाय, कोलसिया, कारी, बुगाला, जाखल, डूंडलोद, मुकुंदगढ़, घोड़ीवारा, सांगासी, मांडासी, केरू, डुमरा, जैजूसर, सोटवारा सहित अन्य कई दर्जन गांवों में गायत्री परिवार के परिजनों एवं ग्रामीणों से संपर्क कर उन्हें 9 जनवरी से 13 जनवरी 2026 तक नवलगढ़ क्षेत्र में आयोजित होने वाली रथ यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होने का आमंत्रण दिया गया। गांव-गांव में श्रद्धालुओं का विशेष उत्साह देखने को मिला। इस जनसंपर्क अभियान का नेतृत्व गायत्री परिवार के मुख्य ट्रस्टी बृज लाल मारोठिया, रामनिवास शास्त्री, चिरंजी लाल सैनी तथा यात्रा संयोजक एडवोकेट कल्याण सिंह झाझड़ ,भगवती प्रसाद शर्मा,ब्लॉक प्रभारी कृष्ण कुमार दायमा द्वारा किया गया। अभियान में गायत्री परिवार के रामावतार गुप्ता, शेर सिंह बारवा, मदन सिंह (सरपंच), विजय कुमार शर्मा, सुभाष सैनी, महेंद्र सिंह कारी,सौरभ सरस्वती स्कूल कारी,रामपाल मेवानी, विकेश कुमार, बसंत सिंह जाखल, एडवोकेट नरेंद्र सिंह ,शंकर गुर्जर, मुरली चौबदार, विनोद जमालपुरिया, कैलाश सैनी सहित अनेक कार्यकर्ताओं ने सक्रिय सहभागिता निभाई। यात्रा संयोजक एडवोकेट कल्याण सिंह झाझड़ ने बताया कि यह रथ यात्रा राष्ट्र जागरण, सामाजिक समरसता, नैतिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार तथा युवा पीढ़ी को सकारात्मक दिशा देने के उद्देश्य से गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के द्वारा निकाली जा रही है। उन्होंने क्षेत्रवासियों से अपील की कि वे इस अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लें और राष्ट्र निर्माण के इस महायज्ञ में अपनी आहुति दें। गायत्री परिवार नवलगढ़ के ब्लॉक प्रभारी कृष्ण कुमार दायमा ने जानकारी देते हुए बताया कि 13 जनवरी 2026 को चुरु उपजोन के अंतर्गत आने वाले सीकर, झुंझुनूं, चुरु व बीकानेर जिलों का विराट रथ यात्रा समापन समारोह गायत्री शक्तिपीठ नवलगढ़ में आयोजित होगा। इस अवसर पर चारों जिलों के समस्त ब्लॉक संयोजक, जिला संयोजक, उपजोन समन्वयक, प्रदेश स्तर के पदाधिकारी तथा मुख्य केंद्र शांतिकुंज हरिद्वार के वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं मार्गदर्शक भी कार्यक्रम में शिरकत करेंगे। दायमा ने बताया कि यह समापन समारोह राष्ट्र जागरण के संकल्प को और अधिक सशक्त करेगा तथा क्षेत्र में संस्कार, सेवा और राष्ट्रभक्ति के भाव को नई ऊर्जा प्रदान करेगा। गायत्री परिवार नवलगढ़ द्वारा किए गए इस व्यापक जनसंपर्क अभियान से यह स्पष्ट है कि आने वाले दिनों में रथ यात्रा को क्षेत्र में अभूतपूर्व समर्थन मिलेगा और यह आयोजन जनआंदोलन का रूप लेगा।

श्रीराम कथा में राम-सीता विवाह प्रसंग पर सजीव झांकियां, श्रोता हुए भावविभोर

भीम प्रज्ञा न्यूज़ मंडावा।

फतेहपुर रोड स्थित गोयनका धर्मशाला में चल रही नौ दिवसीय संगीतमय श्रीराम कथा के पांचवें दिन राम-सीता विवाह प्रसंग का अत्यंत भावपूर्ण और सजीव वर्णन किया गया। अयोध्या से पधारे कथावाचक धर्मदास महाराज ने कथा को संगीतमय शैली में प्रस्तुत किया, जिसे सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे।

कथा में पुष्प वाटिका मिलन, शिव धनुष तोड़ने की शर्त, भगवान राम द्वारा धनुष भंग, जनकपुरी में बारात आगमन, राजा जनक द्वारा महाराज दशरथ को निमंत्रण, ब्रह्माजी द्वारा लग्न पत्रिका लेखन तथा शुभ मुहूर्त में विवाह संपन्न होने का सजीव चित्रण किया गया। राम-सीता विवाह के साथ ही भरत-मांडवी, लक्ष्मण-उर्मिला एवं शत्रुघ्न-श्रुतकीर्ति के विवाह प्रसंग का भी विस्तार से वर्णन किया गया। धर्मदास महाराज ने बताया कि जब धरती पर अधर्म बढ़ता है, तब प्रभु अवतार लेकर धर्म की स्थापना करते हैं। राम-सीता का जीवन प्रेम, मर्यादा, त्याग और आदर्श का प्रतीक है। उन्होंने जनकनंदिनी सीता के जन्म, स्वयंवर की घोषणा तथा शिव धनुष भंग की कथा सुनाई। धनुष टूटते ही पूरा कथा पंडाल 'जय श्रीराम' के जयकारों से गूंज उठा। इस अवसर पर राम-सीता विवाह की सजीव झांकी सजाई गई, जिस पर श्रद्धालुओं ने पुष्प वर्षा की। विवाह उत्सव के दौरान सोहर एवं विवाह गीतों पर महिलाओं ने उत्साहपूर्वक नृत्य किया। रामचरितमानस की चौपाइयों की संगीतमय प्रस्तुति ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। चारों भाइयों के विवाह पश्चात अयोध्या आगमन तथा माता कौशल्या, कैकेयी और सुमित्रा के वात्सल्य भाव का भी सुंदर वर्णन किया गया।

कथा के प्रारंभ में मुख्य यजमान लालचंद बियानी (फतेहपुर), नरेश सोनी (पालिकाध्यक्ष), नैना सोनी (पार्षद), मनोज कुमार सोनी एवं अंजू सोनी सपत्नीक ने विधिवत पूजा-अर्चना कर धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए। सार्वजनिक आयोजन समिति की ओर से प्रदीप सोनी, अशोक तंवर, सुनील सोनी एवं राकेश सोनी ने बताया कि नौ दिवसीय श्रीराम कथा के माध्यम से क्षेत्र में धर्म, संस्कार और भक्ति का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जा रहा है। इस दौरान लालचंद बियानी, पत्रकार प्रभु दयाल एवं शारदा देवी की ओर से श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया गया। कथा के समापन पर आरती हुई और भक्तों ने प्रभु श्रीराम के जयकारों के साथ वातावरण को भक्तिमय बना दिया।

कथा में प्रतिदिन की तरह आज भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे, जिनमें महेश कुमार पाराशर, मनमोहन सेन, संदीप कुमार, रामस्वरूप चोटिया सहित सैकड़ों भक्तों ने कथा श्रवण कर धर्म लाभ अर्जित किया।

विश्वकर्मा जयंती पर सार्वजनिक अवकाश की मांग, पिलानी में मुख्यमंत्री के नाम सौंपा ज्ञापन

भीम प्रज्ञा न्यूज़.पिलानी।

अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा (तहसील सभा पिलानी) ने भगवान विश्वकर्मा जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग को लेकर मोर्चा खोल दिया है। तहसील अध्यक्ष मामचन्द सोनानिया के नेतृत्व में समाज के प्रतिनिधिमंडल ने तहसीलदार के माध्यम से मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में स्पष्ट किया गया कि राजस्थान में जांगिड़ और सुथार समाज बड़ी संख्या में निवास करता है। भगवान विश्वकर्मा न केवल जांगिड़ समाज, बल्कि स्वर्णकार, लुहार, पांचाल, कुमावत, ठठेरा और मूर्तिकार जैसी कई शिल्पी जातियों के भी आराध्य देव हैं। इसके अलावा कारखानों, फैक्ट्रियों के मजदूर, मिस्त्री और इंजीनियर भी किसी भी कार्य का शुभारंभ भगवान विश्वकर्मा की पूजा से ही करते हैं। महासभा ने नाराजगी जताते हुए कहा कि राज्य सरकार ने वर्तमान में माघ शुक्ल त्रयोदशी (विश्वकर्मा जयंती) पर केवल ऐच्छिक अवकाश घोषित कर रखा है। समाज लंबे समय से इसे सार्वजनिक अवकाश घोषित करने की मांग कर रहा है। ज्ञापन में आरोप लगाया गया कि सरकार ने अन्य कई समाजों के आराध्य देवों की जयंती पर सार्वजनिक अवकाश दिया है, लेकिन विश्वकर्मा जयंती की अनदेखी से समाज में उपेक्षा और आक्रोश का भाव है। ज्ञापन सौंपने से पहले भगवान विश्वकर्मा मंदिर में तहसील सभा के सदस्यों की एक बैठक आयोजित की गई। इस अवसर पर संरक्षक मुकुंदाराम जांगिड़, वरिष्ठ उपाध्यक्ष बनवारी जांगिड़, महामंत्री रामनिवास जांगिड़, कोषाध्यक्ष अनिल जांगिड़, दुर्गा प्रसाद जांगिड़, पूरणमल जांगिड़, दिनेश राजोतिया, परमेश्वर जांगिड़ और चंदन जांगिड़ सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। समाज ने सरकार से इस उचित मांग पर गंभीरतापूर्वक विचार कर जल्द निर्णय लेने का आग्रह किया है।

नीमराना में पौष बड़े का आयोजन: सामाजिक एकता और लोक परंपरा का सुंदर संगम

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद । पंचायत समिति के पास प्रिया ऑफसेट के बाहर गुरुवार को पौष माह के अवसर पर पौष बड़ा कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। आदर्श कला रंगमंच के अध्यक्ष मनोज शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में सभी व्यापारियों के द्वारा पौष बड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिकों, शिक्षाविदों और ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर लोक परंपराओं को सहेजने का संदेश दिया। इस अवसर पर शिक्षाविद संपत राम शर्मा, मनोज बिरला, मोनू गुप्ता, रामनिवास सैनी, सतनारायण गुप्ता, गोपाल यादव, मुकेश यादव, दयाराम प्रजापत, कर्मपाल भोला, महेश टेलर, आदर्श कला रंगमंच के अध्यक्ष मुकेश शर्मा, प्रदीप सेन, सतीश शर्मा, सतीश प्रजापत, लक्ष्मी नारायण योगी, नरेश, तेज सिंह हवलदार सहित अनेक ग्रामीणजन उपस्थित रहे। आंदोलन के दौरान आपसी भाईचारे, सामाजिक समरसता और लोक संस्कृति को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। उपस्थित अतिथियों ने ऐसे आयोजनों को समाज को जोड़ने वाला बताते हुए भविष्य में भी निरंतर आयोजित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

नीमराना में उद्योगपतियों और पुलिस के बीच संवाद: सुरक्षा और यातायात पर हुई चर्चा

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

रमेशचंद्र । नीमराना इंडस्ट्रीज एसोसिएशन और एच.आर. फोरम ऑफ नीमराना एनसीआर के संयुक्त तत्वावधान में 'उद्योगपतियों के साथ पुलिस संवाद' कार्यक्रम का आयोजन देर शाम हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड, नीमराना के सभागार में किया गया। कार्यक्रम में औद्योगिक सुरक्षा, यातायात नियम, साइबर अपराध और निवेश से जुड़े सुरक्षा मुद्दों पर विस्तृत संवाद हुआ। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, राजस्थान पुलिस, राघवेन्द्र सुहासा ने कहा कि निवेशक औद्योगिक क्षेत्रों में निवेश कर रोजगार को बढ़ावा देते हैं, लेकिन कुछ अपवादस्वरूप तत्व साइबर क्राइम, चेन स्नैचिंग और मोबाइल स्कैनिंग जैसे अपराधों में लिप्त हो जाते, जो समाज की बड़ी नकारात्मकता है। उन्होंने आमजन से यातायात नियमों का पालन कर दुर्घटनाओं में कमी लाने में पुलिस का सहयोग करने की अपील की। उपमहानिरीक्षक, कोटपूतली - बहरोड़, देवेन्द्र बिश्नोई ने कहा कि सभी औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा गार्डों और श्रमिकों को नियमित सुरक्षा प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। उन्होंने सभी से अपने स्तर पर यातायात नियमों की पालना करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के पश्चात अतिथियों ने एसोसिएशन भवन में वृक्षारोपण किया और परिसर का निरीक्षण भी किया। विशिष्ट अतिथियों में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नीमराना सुरेश खींची, वरिष्ठ महाप्रबंधक राहुल भट्ट और उप पुलिस अधीक्षक चारूल गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड के मैन्युफ्चरिंग हेड (प्लांट ऑपरेशंस) पराग गोयल ने की। इस अवसर पर एसोसिएशन के मुख्य संरक्षक एवं सलाहकार केके शर्मा, एचआर फोरम के अध्यक्ष संजय राणा, महासचिव विनोद जैन, सह महासचिव अमित यादव, उपाध्यक्ष नरेंद्र श्योराण सहित बड़ी संख्या में उद्योगपति और उद्योग प्रतिनिधि मौजूद रहे।

कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभिषेक मनु सिंघवी ने ली ज़ूम मीटिंग

संविधान व लोकतंत्र की रक्षा के लिए कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट पूरी तरह सक्रिय : लाल बहादुर खोवाल

भीम प्रज्ञा न्यूज़.हिसार।

रजत विजय रंगा । ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) लीगल डिपार्टमेंट के राष्ट्रीय अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता एवं राज्यसभा सांसद अभिषेक मनु सिंघवी ने ज़ूम मीटिंग के माध्यम से देशभर के सभी प्रदेशों के कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट के प्रदेश अध्यक्षों की एक महत्वपूर्ण और निर्णायक राष्ट्रीय स्तरीय बैठक ली।इस राष्ट्रीय बैठक में हरियाणा की ओर से हरियाणा कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट के प्रदेश अध्यक्ष एडवोकेट लाल बहादुर खोवाल ने भाग लिया और राष्ट्रीय अध्यक्ष से सीधे संवाद किया। बैठक के दौरान हरियाणा में लीगल डिपार्टमेंट की गतिविधियों, संगठनात्मक स्थिति और भावी रणनीति पर भी चर्चा हुई।बैठक को संबोधित करते हुए अभिषेक मनु सिंघवी ने कहा कि वर्तमान समय में देश के संविधान, लोकतंत्र, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और आम नागरिकों के मौलिक अधिकारों पर योजनाबद्ध तरीके से हमले किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी निडर होकर संविधान की रक्षा की लड़ाई लड़ रहे हैं और शोषित-वंचित, गरीब, किसान, मजदूर, युवा व महिलाओं की

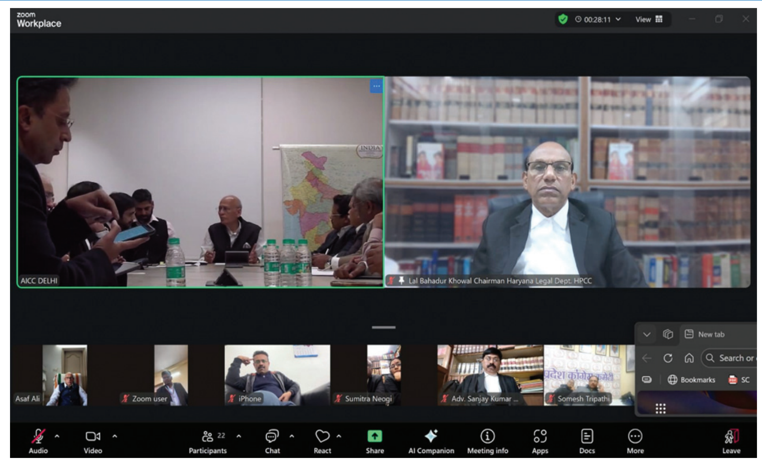

आवाज़ को सड़क से संसद तक बुलंद कर रहे हैं उसी प्रकार कांग्रेस का लीगल डिपार्टमेंट भी भाजपा की जनविरोधी और संविधान-विरोधी नीतियों के खिलाफ कानूनी मोर्चे पर पूरी मजबूती से खड़ा रहेगा।हरियाणा कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट के प्रदेश अध्यक्ष लाल बहादुर खोवाल ने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि भाजपा के सत्ता में आने के बाद संवैधानिक संस्थाओं का दुरुपयोग, कानून का राजनीतिक इस्तेमाल और असहमति की आवाज़ को दबाने की प्रवृत्ति लगातार बढ़ी है जो लोकतंत्र के लिए अत्यंत खतरनाक है। कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट इस अन्याय के विरुद्ध चुप बैठने वाला नहीं है।सिंघवी ने निर्देश दिए कि लीगल डिपार्टमेंट ज़मीनी स्तर पर उतरकर आम जनता को उनके संवैधानिक एवं कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करे ताकि दमन और अन्याय का शिकार हो रहे लोग कानून के माध्यम से अपनी लड़ाई मजबूती से लड़ सकें।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिन जिलों में अभी तक कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट की टीमें गठित नहीं हुई हैं वहां तत्काल प्रभाव से ईमानदार, संघर्षशील और समाजसेवी अधिवक्ताओं की मजबूत जिला स्तरीय टीमें गठित की जाएं। इस संबंध में देशभर के सभी प्रदेश अध्यक्षों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए।बैठक में भाजपा शासन के दौरान बढ़ती महंगाई, बेरोज़गारी, सामाजिक वैमनस्य और संवैधानिक मूल्यों के क्षरण पर गहरी चिंता व्यक्त की गई और कहा गया कि ऐसे हालात में कांग्रेस लीगल डिपार्टमेंट की भूमिका और भी अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है।मिटिंग में यह संकल्प लिया गया कि कांग्रेस का लीगल डिपार्टमेंट आम जनता की आवाज़ बनकर संविधान, लोकतंत्र और सामाजिक न्याय की रक्षा के लिए सड़क से लेकर अदालत और संसद तक संघर्ष को और तेज करेगा ताकि देश में पुनः लोगों द्वारा, लोगों के लिए और लोगों की सरकार स्थापित हो सके।

नीमराना की एलिट आर्चरी अकैडमी का राष्ट्रीय स्तर पर परचम, दो तीरंदाज राष्ट्रीय विद्यालय के लिए चयनित

भीम प्रज्ञा न्यूज़.नीमराना।

नीमराना (रमेशचंद) । एलिट आर्चरी अकैडमी नीमराना के लिए यह गौरवपूर्ण क्षण है, जब अकैडमी के दो प्रतिभाशाली तीरंदाजों का चयन राष्ट्रीय विद्यालय तीरंदाजी प्रतियोगिता के लिए हुआ है। इस उपलब्धि से न केवल अकैडमी, बल्कि पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है। शिक्षा निदेशालय द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय चयन ट्रायल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय, टेहरी (धौलपुर) में संपन्न हुए। इन ट्रायल्स में राजस्थान के विभिन्न जिलों से आए होनहार तीरंदाजों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। अकादमी के कोच सोमेश शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि एलिट आर्चरी अकैडमी नीमराना की छात्रा डोरिस खटाना ने रिकर्व गर्ल्स वर्ग में शानदार प्रदर्शन कर अपना चयन सुनिश्चित किया, वहीं अकैडमी के छात्र दिव्यांशु ने कंपाउंड बॉयज़ वर्ग में उत्कृष्ट खेल दिखाते हुए राष्ट्रीय टीम में स्थान प्राप्त किया। दोनों चयनित तीरंदाज अब कोच सोमेश शर्मा के मार्गदर्शन में

राजस्थान टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। ये खिलाड़ी 69वीं राष्ट्रीय विद्यालय तीरंदाजी प्रतियोगिता में प्रदेश की ओर से भाग लेंगे, जो 14 से 18 जनवरी तक मणिपुर में आयोजित की जाएगी। एलिट आर्चरी अकैडमी नीमराना के कोचिंग स्टाफ एवं प्रबंधन ने दोनों खिलाड़ियों को इस बड़ी उपलब्धि पर शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह सफलता अकैडमी में प्रदान किए जा रहे उच्च स्तरीय प्रशिक्षण, अनुशासन और खिलाड़ियों की निरंतर मेहनत का परिणाम है।

सर्दी के मौसम को देखते हुए एसडीएम आकाश शर्मा ने जरूरतमंदों को बांटे कंबल

रैन बसेरों में ठहरे नागरिकों से बात कर व्यवस्थाओं का लिया का जायजा

भीम प्रज्ञा न्यूज़ टोहाना।

रजत विजय रंगा । सर्दी के मौसम के मध्यनजर एसडीएम आकाश शर्मा द्वारा क्षेत्र में सार्वजनिक स्थलों एवं रैन बसेरों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन सहित विभिन्न स्थानों पर जरूरतमंदों को ठंड से बचाव हेतु कंबल वितरित किए, ताकि शीतलहर के प्रभाव से उन्हें सुरक्षित रखा जा सके। एसडीएम आकाश शर्मा ने सार्वजनिक स्थलों पर तथा अपने कार्यालय में पहुँचे जरूरतमंद व्यक्तियों को ठंड से बचाव हेतु कंबल वितरित किए, ताकि शीत ऋतु के दौरान उन्हें आवश्यक राहत उपलब्ध कराई जा सके। उन्होंने कहा कि ठंड के मौसम में जरूरतमंदों के लिए प्रशासन द्वारा भी सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ सुनिश्चित की गई है। इसके पश्चात एसडीएम ने

क्षेत्र में संचालित रैन बसेरों का निरीक्षण कर वहां उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान गर्म बिस्तर, कंबल, स्वच्छ पेयजल, साफ-सफाई एवं प्रकाश व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की गई। संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि रैन बसेरों में उपलब्ध सुविधाओं में किसी प्रकार की कमी न रहे और सभी व्यवस्थाएँ निरंतर क्रियाशील रहें। एसडीएम ने नगर परिषद द्वारा संचालित रैन बसेरों को 24 घंटे खुला रखने तथा नियमित निरीक्षण की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही रैन बसेरों में ठहरने वाले व्यक्तियों का रिकॉर्ड संधारित करने के निर्देश भी दिए, जिससे आवश्यकता पड़ने पर समय पर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा सके। इसके अतिरिक्त एसडीएम ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति शीत ऋतु के दौरान खुले में ठहरता हुआ पाया जाए, तो उसे तुरंत नजदीकी रैन बसेरे में पहुँचाया जाए। प्रशासन द्वारा यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि सर्दी के मौसम में सभी आवश्यक व्यवस्थाएँ प्रभावी रूप से लागू रहें और किसी भी व्यक्ति को प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना न करना पड़े।

रेसर सुनील के झुंझुनू पहुंचने पर किया स्वागत एवं डीजे के साथ रैली निकाली

भीम प्रज्ञा न्यूज़.झुंझुनूं।

सुनील रेसर 18 दिन लगातार दौड़कर अंबेडकर भवन झुन्झनू पहुंचा समाज के बंधुओं द्वारा अंबेडकर भवन के संरक्षक महावीर सानेल की अगवाई में अंबेडकर भवन पहुंचने पर माला एवं साफा पहनाकर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। आज सुबह अंबेडकर भवन झुन्झनू से डीजे के साथ अंबेडकर पार्क,पीरूसिंह सर्किल,रेलवे स्टेशन होते हुए पूरा की ढाणी तक बाइक रैली निकालकर कन्याकुमारी के लिए रवाना किया। महावीर सानेल ने बताया कि सुनील के अंबेडकर भवन पहुंचने पर वेलफेयर सोसायटी द्वारा माला,साफा पहनाकर एवं शॉल ओढ़ाकर सुनील का स्वागत किया। सीताराम बास बुडाना एवं अनिल बेसरवाल ने बताया कि आज सुबह अंबेडकर भवन झुंझुनूं में बाबा साहब अंबेडकर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर सुनील ने 19वें दिन शुरुआत की। फिर अंबेडकर

पार्क में पहुंचकर बाबा साहब की प्रतिमा एवं शहीद स्मारक पर तथा पीरूसिंह सर्किल पर शहीदों को नमन करते हुए कन्याकुमारी के लिए रवाना हो गया। सुनील चार महीने में सात हजार किलोमीटर की दूरी तय करेगा। कन्याकुमारी से वापस सांगलिया धुनी तक दौड़ते हुए पहुंचेगा। सुनील प्रति दिन 70 किलोमीटर की दूरी दौड़कर तय करता है। इस दौरान वेलफेयर सोसाइटी संरक्षक महावीर सानेल,रामस्वरूप रसोड़ा,तनसुख सानेल, इंद्राज सिंह भूरिया,डॉक्टर महेंद्र सानेल,मुकेश गोठवाल,जितेंद्र गर्वा,संदीप टंडन,राजेश हरिपुरा,संदीप पाटिल,मानसिंह गुरावा,मदनलाल गुडेसर,सीताराम बास बुडाना,अनिल बेसरवाल उपस्थित रहे।

गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर एसडीएम आकाश शर्मा ने ली अधिकारियों की बैठक

समारोह को भव्य, अनुशासित व गरिमामय बनाने के दिए दिशा-निर्देश

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । उपमंडल स्तर पर मनाए जाने वाले गणतंत्र दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर एसडीएम आकाश शर्मा ने किसान रेस्ट हाउस में विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में समारोह को सफलतापूर्वक, भव्य और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न करवाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए तथा विभिन्न विभागों की ड्यूटियां निर्धारित की गईं। एसडीएम आकाश शर्मा ने कहा कि लघु सचिवालय परिसर में आयोजित होने वाले गणतंत्र दिवस समारोह में देशभक्ति से ओत-प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति सुनिश्चित की जाए, जिसके लिए विभागीय स्तर पर बच्चों व प्रतिभागियों की बेहतर रिहर्सल करवाई जाए। उन्होंने बताया कि सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रिहर्सल 21 व 22

जनवरी, जबकि 24 जनवरी को फुल ड्रेस में फाइनल रिहर्सल आयोजित की जाएगी। उन्होंने कहा कि समारोह के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारी, कर्मचारी को भी सम्मानित किया जाएगा। सम्मान सूची में महिला और पुरुष कर्मचारियों की संख्या बराबर रखने पर विशेष जोर दिया और कहा कि विभाग उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों के नाम भेजते समय महिला कर्मचारियों की संख्या को विशेष रूप से उल्लेखित करें। एसडीएम ने नगर परिषद अधिकारियों को समारोह स्थल के आसपास तथा शहर के प्रमुख स्थानों की सजावट, साफ-सफाई और टैंट व्यवस्था को बेहतर बनाने के निर्देश दिए। इसके अलावा, पेयजल व्यवस्था के लिए जन स्वास्थ्य विभाग और बिजली व्यवस्था के लिए बिजली विभाग को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समारोह में विभिन्न विभागों द्वारा झांकियां निकाली जाएंगी, जिनमें विभाग सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और उपलब्धियों को प्रभावी रूप से प्रदर्शित करें। बैठक में डीएसपी उमेद सिंह, बीडीपीओ राहुल श्योकंद, नायब तहसीलदार अनिल कुमार, कृषि विभाग के एसडीओ मुकेश मेहला, खंड शिक्षा अधिकारी सत्यपाल फोगाट, लोक निर्माण विभाग के एसडीओ विजय शर्मा, सहायक सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी डॉ. विनय बैनीवाल, मार्केट कमेटी सचिव संदीप गर्ग सहित अन्य विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

किन्नर समाज ने शहर में निकाली शोभायात्रा

सांवरिया सेठ मंदिर में चढ़ाया चांदी का छत्र

भीम प्रज्ञा न्यूज़.उदयपुरवाटी।

सुमेर मीणा । शहर में चुंगी नंबर तीन के नजदीक भुरी कुड़ी रोड पर स्थित रत्नागिरी गार्डन में अखिल भारतीय किन्नर महासम्मेलन 1 जनवरी से चल रहा है। जिसमें आज आठवें दिन किन्नर समाज के लोगों ने शहर में शोभायात्रा निकाली। जानकारी के अनुसार किन्नर समाज के वरिष्ठ हाजी राजू किन्नर और समाज की जिलाध्यक्ष सनम भाई के नेतृत्व में शांति बाई की स्मृति में 1 जनवरी से अखिल भारतीय किन्नर महासम्मेलन चल रहा है। किन्नर सम्मेलन 10 जनवरी तक चलेगा। शहर में आज आठवें दिन शोभायात्रा निकाली गई जो चुंगी नंबर 3 से जांगिड़ कॉलोनी, पांच बत्ती, मुख्य बाजार, पुराना बस स्टैंड, साई कंपलेक्स ,शाकंभरी गेट ,घूम चक्कर नई सब्जी मंडी होते हुए चुंगी नंबर 3 के निकट भूरी कुड़ी रोड पर रत्नागिरी गार्डन में पहुंचे । शहर में शहर वासियों ने किन्नर समाज के लोगों का भव्य स्वागत किया तथा जगह-जगह फूलों की बरसात की गई। शहर में पुरुष ,महिला ,बच्चों ने किन्नर समाज से आशीर्वाद प्राप्त किया।

ऑपरेशन जीवन ज्योति के तहत थाना शहर रतिया पुलिस की कार्यवाही: 6.29 ग्राम हिरोइन सहित दो महिलाओं को गिरफ्तार

भीम प्रज्ञा न्यूज़.फतेहाबाद/रतिया।

रजत विजय रंगा । पुलिस अधीक्षक श्री सिद्धांत जैन, आईपीएस के दिशा-निर्देशन में नशीले पदार्थों की रोकथाम और अवैध कारोबार पर सख्त कार्यवाही के तहत थाना शहर रतिया पुलिस ने हिरोइन के साथ दो महिलाओं को गिरफ्तार किया। थाना शहर रतिया प्रभारी निरीक्षक पुष्पा ने बताया कि स्ह सिलोचना 1360/स्रस, थाना शहर रतिया की अगुवाई में टीम ने गस्त दौरान गांव रत्ताखेडा के पास संदिग्ध गतिविधि करते हुए दो महिलाओं को पकड़ा। महिलाएं पुलिस गाड़ी देखकर अचानक मुड़कर तेज़ कदमों से चलने लगीं। शक के आधार पर दोनों महिलाओं को हिरासत में लिया गया और उनका नाम पता पूछा गया। तलाशी के दौरान बलविन्द्र कौर के कब्जे से पारदर्शी मोमी पाउच में 6.29 ग्राम हिरोइन बरामद हुई। इस कार्रवाई के तहत थाना शहर रतिया में मुकदमा संख्या 07/26, धारा 21B/61/85 NDPS ACT के तहत मामला दर्ज किया गया। पुलिस अब आरोपी महिलाओं और उनके आपराधिक संबंधों की विस्तृत जांच कर रही है।मामले की जाँच जारी है ।

समाधान शिविर में नागरिकों की समस्याओं का हो रहा निदान- एसडीएम

लघु सचिवालय में आयोजित उपमंडल स्तरीय समाधान शिविर में एसडीएम ने सुनी नागरिकों की समस्याएं

भीम प्रज्ञा न्यूज़.टोहाना।

रजत विजय रंगा । एसडीएम आकाश शर्मा ने कहा कि आमजन की शिकायतों का तत्परता से समाधान करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के मार्गदर्शन में प्रदेश में जिला व उपमंडल स्तर पर समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। एसडीएम आकाश शर्मा ने वीरवार को लघु सचिवालय स्थित अपने कार्यालय में आयोजित समाधान शिविर में आमजन की समस्याएं सुनते प्राथमिकता से समाधान करवाने के संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य है कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं से वंचित न रहे। सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि शिकायतों का जल्द से जल्द निपटारा किया जाए। हर नागरिक को बिना किसी परेशानी के सरकारी सेवाएं उपलब्ध हो और पात्र व्यक्ति योजनाओं का लाभ लेने से वंचित न रहे। एसडीएम आकाश शर्मा ने कहा कि समाधान शिविरों में नागरिकों की ओर से परिवार पहचान पत्र आईडी में आय संबंधी त्रुटियों और नए सदस्य जोड़ने से जुड़ी सामने आई हैं। इसके अलावा राशन कार्ड, पुलिस और बिजली विभाग से संबंधित शिकायतें भी प्राप्त हुई हैं। उन्होंने बताया कि इन सभी मुद्दों के त्वरित निपटान के लिए सम्बंधित विभागों के अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं, ताकि लोगों को शीघ्र राहत मिल सके। उन्होंने बताया कि समाधान शिविरों के माध्यम से नागरिकों की विभिन्न प्रशासनिक और शासकीय विभागों से जुड़ी समस्याओं का तुरंत निपटारा किया जा रहा है। उन्होंने आमजन से अपील की कि यदि किसी नागरिक को किसी भी प्रकार की परेशानी है तो वह निःसंकोच समाधान शिविर में आकर अपनी शिकायत दर्ज कराए। उन्होंने यह भी कहा कि प्रशासन और प्रदेश सरकार हमेशा नागरिकों की सहायता के लिए तत्पर है। एसडीएम ने बताया कि प्रशासन हर सोमवार और वीरवार को सुबह 10 से 12 बजे तक समाधान शिविर में जनता की समस्याएं सुनकर त्वरित समाधान सुनिश्चित कर रहा है। समाधान शिविर में डीएसपी उमेद सिंह, बीडीपीओ राहुल श्योकंद, अधीक्षक मुकेश कुमार, टैक्स इंस्पेक्टर बलजीत शर्मा, सुपरवाइजर कर्मजीत कौर, उमेद बूरा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहें।

पंजाब में डिस्ट्रिक्ट कोर्ट परिसरों को बम से उड़ने की धमकी, मच गया हड़कंप

मोगा (एजेंसी)। पंजाब में डिस्ट्रिक्ट कोर्ट परिसरों फिरोजपुर और मोगा को आरडीएक्स से उड़ने की धमकी मिली है। इसके बाद कोर्ट परिसर में हड़कंप मच गया है और कोर्ट परिसर के गेट बंद कराए गए हैं। जानकारी के अनुसार किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा मेल भेज कर धमकी दी गई है कि मोगा और फिरोजपुर कोर्ट परिसर को आरडीएक्स के साथ उड़ा दिया जाएगा। जिला बार एसोसिएशन फिरोजपुर के प्रधान वकील लवजीतपाल सिंह टूरना ने संपर्क करने पर बताया कि उन्हें माननीय जज साहिब द्वारा यह संदेश दिया गया है कि फिरोजपुर कोर्ट परिसर को आरडीएक्स के साथ उड़ने की धमकी मिली है। यह देखकर एहतियात के तौर पर कोई भी वकील ,क्लर्क या क्लाइंट कोर्ट परिसर में ना दाखिल ना हो। उन्होंने बताया कि जुडिशल अधिकारी के आदेश को मानते हुए जिला बार एसोसिएशन फिरोजपुर के वकील, क्लर्क और क्लाइंट वापस आ गए हैं। जानकारी के अनुसार फिरोजपुर कोर्ट परिसर में पुलिस द्वारा डॉग स्क्वाड और बंब निरोधक टीमों को साथ लेकर सर्च ऑपरेशन चलाया जा रहा है।

राजौरी जिले में सुरक्षा बलों ने 4 किलो का आईईडी बरामद कर निष्क्रिय किया

राजौरी (एजेंसी)। राजौरी जिले में सुरक्षा बलों ने महत्वपूर्ण आतंकवादी साजिश को नाकाम कर 4 किलो का संदिग्ध इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) बरामद कर निष्क्रिय किया। यह सफलता सेना और पुलिस के संयुक्त ऑपरेशन के दौरान मिली, जो विश्वसनीय टिप-ऑफ के आधार पर डोरी माल के कक्कर क्षेत्र के घने जंगल में शुरू किया। सुरक्षा बलों ने तुरंत इलाके को घेराबंदी कर गहन तलाशी अभियान शुरू किया। जंगल वाले इलाके में उन्नत पहचान तकनीकों का उपयोग करते हुए सैनिकों और पुलिस ने दबे हुए संदिग्ध सामान का पता लगा लिया। जांच में यह पुष्टि हुई कि यह करीब 4 किलो का परिष्कृत आईईडी था, जो कि अगर विस्फोट किया जाता, तब गंभीर नुकसान हो सकता था। पास में खाली खोल भी मिले, जिन्हें फोरेंसिक जांच के लिए सुरक्षित किया। आईईडी को नियंत्रित विस्फोट (कंट्रोल्ड ब्लास्ट) के माध्यम से निष्क्रिय किया, जिससे आसपास के नागरिक सुरक्षित रहे। ऑपरेशन के बाद साइट को साफ किया, लेकिन अतिरिक्त संदिग्धों या डिवाइस की जांच जारी है। सुरक्षा बल क्षेत्र में गश्त तेज कर सुरक्षा बनाए रखने में जुटे हैं। इस बीच, जम्मू और कश्मीर के कठुआ जिले में भी सुरक्षा बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसके बाद संयुक्त बलों ने तलाशी अभियान और बढ़ा दिया। यह कार्रवाई दोनों जिलों में आतंकवादी गतिविधियों को रोकने और नागरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में अहम साबित हुई।

त्रिपुरा में सुरक्षा बलों ने छह लाख गांजे के पौधे नष्ट किए... अनुमानित कीमत 145 करोड़

त्रिपुरा (एजेंसी)। त्रिपुरा के सेपाहिजाला जिले में सुरक्षा बलों ने छह लाख गांजे के पौधे नष्ट किए, जिससे 10 दिनों में कुल करीब 30 लाख पौधे नष्ट हो गए हैं। इन पौधों की अनुमानित कीमत 145 करोड़ रुपये आंकी गई है। पुलिस के अनुसार, दिन भर चले संयुक्त ऑपरेशन में केंद्रीय और राज्य सुरक्षा बलों ने करीब 200 एकड़ क्षेत्र में 65 प्लॉटों पर उगाए गए पौधों को नष्ट किया। नष्ट किए गए पौधों की कीमत लगभग 36 करोड़ रुपये है। ऑपरेशन में त्रिपुरा पुलिस, त्रिपुरा स्टेट राइफल्स, असम राइफल्स, बीएसएफ, वन विभाग और जिला प्रशासन ने मिलकर काम किया। यह अभियान सोनामुरा, मेलागढ़ और कलामचौरा के तहत आने वाले गांवों में हुआ, जो बांग्लादेश सीमा के पास हैं। असम राइफल्स ने कहा कि यह ऑपरेशन अवैध गतिविधियों को रोकने और क्षेत्र में सुरक्षा बनाए रखने में सहयोगी एजेंसियों के संभावित प्रयासों को दिखाता है। इससे पहले, सुरक्षा बलों ने 414 एकड़ पहाड़ी जमीन पर फैले 23 लाख से अधिक गांजे के पौधे नष्ट किए थे, जिनकी कीमत करीब 108 करोड़ रुपये थी। इसतरह अन्य जिलों जैसे उनाकोटी, दक्षिण त्रिपुरा और खोवाई में भी कई लाख पौधे नष्ट किए गए। वहीं सुरक्षाबलों ने अवैध खेती में शामिल कई लोगों को एनडीपीएस एक्ट, 1985 के तहत गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि कई बार जंगल और सरकारी जमीन पर कब्जा करके गांजे की खेती की जा रही थी। इस कानून के तहत किसी भी व्यक्ति के लिए नशीले पदार्थ की खेती, रखरखाव, बिक्री या सेवन गैर-कानूनी है, और उल्लंघन करने पर 20 साल तक जेल और भारी जुर्माना हो सकता है। इसी दौरान पश्चिम बंगाल के ट्रक से 12,600 बोतल एस्कुफ कफ सिरप, 16,000 रुपए और दो मोबाइल जब्त किए गए, जिसमें दो लोग गिरफ्तार हुए।

कठुआ के कहोग गांव में सुरक्षा बल और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़

कठुआ (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ के बिलावर क्षेत्र के कहोग गांव में सुरक्षा बल और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ जारी है। अधिकारियों के अनुसार, जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े तीन आतंकवादी गांव में छिपे हुए हैं और उन्हें पकड़ने के लिए सुरक्षा बल तलाशी अभियान जारी हैं। मुठभेड़ बुधवार शाम शुरू हुई, जब दो से तीन आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली। जम्मू-कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) और अन्य सुरक्षा बलों ने मिलकर कार्रवाई की। मुठभेड़ में एक सुरक्षाकर्मी को पैर में गोली लगी और उन्हें अस्पताल में भर्ती किया गया है। अधिकारी बताते हैं कि घने जंगल और दुर्गम इलाके में रात भर घेराबंदी के बाद तलाश अभियान फिर से शुरू किया। धनु परोल-कमाध नाला क्षेत्र में हवाई निगरानी के साथ अतिरिक्त बल तैनात किए गए हैं। जम्मू जोन के आईजीपी भीम सेन तुती ने बताया कि अंधेरा और कठिन भूभाग होने के बावजूद एसओजी आतंकवादियों से लगातार मुकाबला कर रही है। सीआरपीएफ की टीम भी संयुक्त अभियान में शामिल है। मुठभेड़ करीब एक घंटे चली, इसके बाद गोलीबारी रुक गई। फिलहाल यह जानकारी नहीं है कि कोई आतंकवादी हताहत हुआ या नहीं। अधिकारियों ने बताया कि पिछले एक महीने से सेना, बीएसएफ, पुलिस और सीआरपीएफ सीमा क्षेत्रों में लगातार तलाशी अभियान चला रहे हैं। ये सीमावर्ती जिलों में रहने वालों की पहचान कर रहे हैं और सांबा एवं कठुआ जिलों में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास गश्त तेज कर रहे हैं। गणतंत्र दिवस से पहले बीएसएफ, सीमा पुलिस और ग्राम रक्षा गार्ड समेत सभी सुरक्षा एजेंसियों को अलर्ट पर रखा गया है। इस कार्रवाई का मकसद न केवल आतंकवादियों को पकड़ना बल्कि सीमा सुरक्षा मजबूत करना और स्थानीय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। कठुआ जिले के दुर्गम इलाके में सक्रिय आतंकवादी समूहों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था लगातार चल रही है।

माखर की न्यू बहार कॉलोनी में बदबूदार पानी की सप्लाई, महिलाओं ने किया प्रदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज

इस्लामपुर । माखर की न्यू बहार कॉलोनी में पिछले 15 दिनों से नलों में बदबूदार पानी आ रहा है। महिलाओं ने बताया कि नलों में पीने का पानी मटमैला और बदबूदार आ रहा है जिसको लेकर जलदाय विभाग के कर्मचारियों को कई बार अवगत करवाया जा चुका है। मगर अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। कॉलोनी के लोगों का कहना है कि पीने के पानी में बदबू और गंध आने से उन्हें बेहद परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वार्ड के लोगों को सर्दी के इस मौसम में दूर-दराज से पीने का पानी लाना पड़ रहा है। गुरुवार को कॉलोनी के लोगों ने जलदाय विभाग के खिलाफ प्रदर्शन किया और जल्द से जल्द घरों में आ रहे बदबूदार पानी से निजात दिलाने की मांग की है। कॉलोनी में मटमैला और बदबूदार पानी आने से लोगों में बीमारियां फैलने का अंदेशा बना हुआ है। कॉलोनी के लोगों का कहना है कि जल्द ही समस्या का समाधान नहीं किया गया तो कॉलोनी के लोगों को मजबूरन जलदाय विभाग का घेराव करना पड़ेगा। शकूरन बानो, बिबन, मोबिना, नूर बानो, रुखसाना, गुड्डो, शांति देवी, संपत्ति देवी, सलीम नाई, नजमा बानो व शाह मोहम्मद सहित कई लोग मौजूद थे। सिंघाना. टूटी नाली को ठीक करवाने की मांग करते व्यापारी। इस्लामपुर. जलदाय विभाग के खिलाफ प्रदर्शन करते कॉलोनी के लोग।

लोयल में सरकारी स्कूल के खेल मैदान की सफाई नहीं होने पर ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

भीम प्रज्ञा न्यूज

जसरापुर । ग्राम पंचायत लोयल के सेठ गोपालराय हरसुखदास राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय के खेल मैदान की साफ सफाई नहीं होने को लेकर ग्रामीणों ने गुरुवार को विकास काजला व डॉ. कर्मवीर के नेतृत्व में विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीण योगेश शर्मा, मनजीत बेरवाल और विकास कुमार ने बताया खेल मैदान की सफाई नहीं होने से अभ्यास करने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। खेल मैदान का ट्रैक भी उबड़ खाबड़ हो गया है। उससे तैयारी करने वाले बच्चों को परेशानी होती है। पीने के पानी की भी व्यवस्था नहीं है। सेना भर्ती एवं अन्य प्रतियोगिताओं की तैयारी करने के लिए लोयल से 4 किलोमीटर दूर चनाना के राजकीय महात्मा गांधी विद्यालय के खेल मैदान में जाना पड़ता है। जिससे नियमित अभ्यास करने में परेशानी हो रही है। इस बारे में ग्राम पंचायत प्रशासक को भी कई बार अवगत कराया जा चुका है तथा गत दिनों हुई रात्रि चौपाल में कलेक्टर को लिखित में प्रार्थना पत्र सौंपा गया था, लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं हुआ। प्रदर्शन में अमित काजला, मोहित बेरवाल, प्रवीण धनखड़, अनुज काजला, रोहित कुमार, चेतन कुमार, नरेश कुमार, राजकुमार मेघवाल, कमल राजपूत आदि शामिल हुए।

मकर संक्रांति से पहले नगरपालिका ने की कार्रवाई: लक्ष्मणगढ़ में 45 चाईनीज मांझे की चरखियां जब्त की

भीम प्रज्ञा न्यूज

लक्ष्मणगढ़, (सीकर) । लक्ष्मणगढ़ नगरपालिका ने गुरुवार को प्लास्टिक और चाईनीज मांझे के खिलाफ कार्रवाई की। मकर संक्रांति पर्व से पहले उपखंड अधिकारी के निर्देश पर की गई इस कार्रवाई में 45 चरखियां जब्त की गईं।

नगरपालिका के अधिशाषी अधिकारी ने एक प्रेस नोट जारी कर बताया कि अवैध मांझे की बिक्री पर रोक लगाने के लिए पुलिस बल के साथ पालिका की एक विशेष टीम का गठन किया गया था। इस टीम ने बोगस ग्राहक भेजकर पालिका क्षेत्र में शनि मंदिर के पास एक मकान पर छापा मारा। छापेमारी के दौरान मकान से 45 चाईनीज मांझे की चरखियां बरामद की गईं। जब्त किए गए इस मांझे को नगरपालिका द्वारा नष्ट किया गया। इस पूरी कार्रवाई के दौरान उपखंड अधिकारी मोहर सिंह मीणा स्वयं मौके पर मौजूद रहे। उनके साथ नगरपालिका से जगन सिंह, गणेश सैनी और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने मिलकर इस अभियान को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

एक भी वोट विभाजित न हो, एक भी वोट कम न हो... का नारा देकर बीजेपी पर बरसे अखिलेश

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तप्रदेश की राजधानी लखनऊ में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष और पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने भाजपा की योगी सरकार पर तीखा हमला कर कहा कि यदि संविधान और आरक्षण को बचाना है, तब पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) समाज को एकजुट होना होगा। उन्होंने मतदाताओं और ÷पीडीए संरक्षकों÷ से अपील की कि आगामी चुनावों में पीडीए समुदाय के वोट किसी भी हालत में विभाजित न हों। उनका स्पष्ट संदेश था कि एक भी वोट विभाजित न हो, एक भी वोट कम न हो।÷

सपा नेता अखिलेश यादव ने आशंका जाहिर की कि भाजपा सरकार मतदाता सूचियों में गड़बड़ी कर सकती है और छूटे हुए नामों का दुरुपयोग कर नागरिकों को योजनाओं, नौकरियों, राशन कार्ड, जमीन और अन्य अधिकारों से वंचित कर सकती है। उन्होंने मतदाताओं से अपने वोटर आईडी को नागरिक पहचान का अहम दस्तावेज मानने और मतदान प्रक्रिया में पूरी सतर्कता बरतने की अपील की।

उन्होंने कहा कि वोटों की सुरक्षा केवल सरकार बदलने के लिए नहीं, बल्कि संवैधानिक अधिकारों, आरक्षण, रोजगार और संपत्ति की रक्षा के लिए जरुरी है। ÷अपना वोट दर्ज करें, अपना भविष्य बचाएं÷ के नारे के साथ उन्होंने पीडीए समाज से लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी करने का आह्वान किया। सोशल मीडिया पर अपने संदेश में उन्होंने कहा कि पीडीए समाज के लाखों वोट अब भी अलग-अलग हो रहे हैं, जिसे रोकने के लिए प्रत्येक मतदान केंद्र पर कड़ी निगरानी जरूरी है। अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा और उसके सहयोगियों का असली उद्देश्य चुनाव जीतकर सत्ता में आना और फिर भ्रष्टाचार में लिप्त होना है। उन्होंने कहा कि यदि पीडीए समाज के हाथों से निर्णायक मतदान अधिकार छिन गया, तब उत्पीड़न और बढ़ेगा तथा दबंग ताकतें मनमाने ढंग से सरकार बनाकर संविधान को कमजोर करेगी। उनका कहना था कि वोट बचाना ही संविधान, आरक्षण और रोजगार के अधिकारों को बचाने का एकमात्र रास्ता है। इसके पहले कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने उत्तर प्रदेश की विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) प्रक्रिया के तहत मसौदा मतदाता सूची से 2.89 करोड़ नाम हटाने पर गंभीर चिंता जाहिर की थी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने इस ÷बड़ी साजिश बताकर निष्पक्ष जांच की मांग की।

आरएलपी कार्यकर्ता पर हमले का आरोपी गिरफ्तार

मदद करने वाले को भी पकड़ा, 20 हजार का इनाम घोषित था

भीम प्रज्ञा न्यूज

सीकर । सीकर के सदर थाना इलाके में 17 अक्टूबर की शाम को राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के कार्यकर्ता हरीश खीचड़ पर जानलेवा हमला करने के मामले में सदर थाना पुलिस ने 20 हजार रुपए के इनामी बदमाश नंदकिशोर और उसको शरण देने वाले शायर सिंह को बीकानेर में दबिश देकर पकड़ा है। दोनों को आज सदर थाना पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें 3 दिन का पुलिस रिमांड दिया गया है।

सदर थाना SHO इंद्रराज मरोड़िया के अनुसार मामले में 20 हजार के इनामी बदमाश नंदकिशोर ख्यालिया(23) पुत्र जेताराम निवासी नरोदड़ा और उसको शरण देने वाले शायरसिंह(35) पुत्र अनोपसिंह निवासी जुगतसिंहपुरा को गिरफ्तार किया है। आज दोनों आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया। जहां से उन्हें 3 दिन का पुलिस रिमांड दिया गया है। दरअसल, राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी का कार्यकर्ता हरीश 17 अक्टूबर को जैसे ही पालवास चौराहे के पास गणेशम रेजिडेंसी के नजदीक पहुंचा तो वहां तीन से चार कैंपर गाड़ियां आई। जिन्होंने हरीश पर लाठी और सरियों से जानलेवा हमला किया। घटना में हरीश के दोनों पैर कई जगह से फ्रैक्चर हुए। दरअसल, हरीश सीकर में रहकर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करता है। यह मामला होने के बाद पुलिस ने गणेश सिंह,अशोक और अकरम सहित कई बदमाशों को पकड़ा था। लेकिन नंदकिशोर लंबे समय से फरार चल रहा था। सदर थाना पुलिस को ह्यूमन इंटेलिजेंस के जरिए सूचना मिली कि आरोपी नंदकिशोर बीकानेर में शायरसिंह के यहां पर रुका हुआ है। ऐसे में पुलिस टीम ने वहां पर दबिश देकर दोनों आरोपियों को पकड़ लिया। आरोपी की गिरफ्तारी में सदर पुलिस थाने के हेड कॉन्स्टेबल मुकेश,कॉन्स्टेबल ओमप्रकाश और अनिल, साइबर सेल के हेड कॉन्स्टेबल महेश और कॉन्स्टेबल राकेश की भूमिका रही।

बिहार के प्रभूजी तीन साल बाद परिवार से मिले:मानसिक अस्वस्थता के बाद नेपाल से रेस्क्यू होकर घर लौटे

भीम प्रज्ञा न्यूज

चूरू । बिहार के मोतिहारी जिले के निवासी प्रभूजी बिगन साहनी तीन साल बाद अपने परिवार से मिले। मानसिक रूप से अस्वस्थ प्रभूजी को उनके भतीजे सोनालाल गुरुवार को रतनगढ़ स्थित अपना घर आश्रम से अपने साथ घर ले गए। प्रभूजी बिगन साहनी को नेपाल से रेस्क्यू किया गया था। अपना घर आश्रम के सचिव कुलदीप व्यास ने बताया कि आश्रम ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी डॉ. विजय प्रकाश गोयल के निर्देशन में किए गए प्रयासों से साहनी के परिजनों से संपर्क स्थापित हुआ। परिजनों को सूचना मिलने पर साहनी के भतीजे सोनालाल तुरंत आश्रम पहुंचे। आश्रम में चाचा को सकुशल देखकर भतीजे ने उन्हें गले लगा लिया। इस भावुक पल के दौरान दोनों की आंखों में खुशी के आंसू थे। आश्रम परिवार के डॉ. गोपालदत्त शर्मा, नरेंद्र झांवर और विकास ने बिगन साहनी और उनके भतीजे का साफा व दुपट्टे से स्वागत कर विदा किया। डॉ. विजय प्रकाश गोयल ने बताया कि अपना घर आश्रम भरतपुर मुख्यालय से जारी निर्देशों के अनुसार लावारिस, असहाय, बीमार और निशक्त व्यक्तियों की सूचना मिलने पर उन्हें रेस्क्यू कर आश्रम में प्रवेश दिया जाता है। परिवार की जानकारी मिलने पर उनके पुनर्वास का प्रयास किया जाता है। यह रतनगढ़ के स्थानीय अपना घर आश्रम से हुआ पहला पुनर्वास है। इस अवसर पर हेमंत प्रजापत, प्रवीण व्यास, सूर्यांश शर्मा, जयकृष्ण पारीक, आकाश और अंकित जांगिड़ सहित अन्य लोग मौजूद थे।

स्वच्छता से आत्मविश्वास तक महिला की यात्रा पर व्याख्यान

भीम प्रज्ञा न्यूज

नांगल राजाव । उपखंड मुख्यालय के राजकीय महाविद्यालय में महिला नीति-2021 के अंतर्गत स्वच्छता से आत्मविश्वास तक एक महिला की यात्रा विषय पर व्याख्यान हुआ। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. राजेंद्र सिंह गुर्जर ने की, जबकि मुख्य वक्ता डॉ. प्रमिला यादव रहीं। कार्यक्रम के संबोधन में डॉ. गुर्जर ने कहा कि प्राचीन काल से लेकर आज तक महिलाओं को जीवन के विभिन्न खट्टे-मीठे अनुभवों से गुजरना पड़ा है। वर्तमान समय में प्रत्येक महिला को स्वयं को स्वच्छ, ज्ञानवान, स्वस्थ और समृद्ध बनाना होगा। उन्होंने कहा कि वैश्विक मंचों पर प्रभावी भूमिका निभाने के लिए महिलाओं को अपने व्यक्तित्व को बहुआयामी बनाना आवश्यक है। महिला नीति के प्रभारी डॉ. आशुतोष मीणा ने छात्राओं को स्वच्छता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दैनिक जीवन में व्यक्तिगत हाइजीन का विशेष ध्यान रखना चाहिए। स्वच्छता न केवल स्वास्थ्य से जुड़ी है, बल्कि आत्मविश्वास और व्यक्तित्व निर्माण में भी अहम भूमिका निभाती है। मुख्य वक्ता डॉ. प्रमिला यादव ने शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और सामुदायिक स्वच्छता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता के साथ-साथ समाज में व्याप्त असामाजिक तत्वों को दूर कर स्वच्छ वातावरण का निर्माण करना आवश्यक है

मौसम का मिजाज: उत्तर भारत में कंपाने वाली ठंड और दक्षिण-पूर्वोत्तर में भारी बारिश का अलर्ट

चेन्नई (एजेंसी)। नई दिल्ली(ईएमएस)। दक्षिण भारत में मानसून की विदाई के बावजूद बारिश का सिलसिला थमता नजर नहीं आ रहा है। केरल में आने वाले 72 घंटों के दौरान कई जिलों में मूसलाधार बारिश की चेतावनी जारी की गई है। समुद्र में ऊंची लहरें उठने और हवाओं की रफ्तार बढ़ने की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने मछुआरों को गहरे समुद्र में न जाने की सख्त सलाह दी है। तमिलनाडु में भी मौसम का मिजाज बदला हुआ है। चेन्नई समेत कई तटीय इलाकों में घने बादल छाए रहेंगे और झमाझम बारिश होने के आसार हैं। इसके अलावा पुडुचेरी और कराईकल जैसे केंद्र शासित प्रदेशों में भी मध्यम से भारी बारिश की संभावना है, जिससे निचले इलाकों में जलभराव की स्थिति पैदा हो सकती है।देश के मौसम में एक बार फिर बड़ा बदलाव होने के कारण एक तरफ जहां उत्तर भारत के मैदानी इलाके भीषण शीतलहर और कड़ाके की ठंड की चपेट में हैं, वहीं दक्षिण और पूर्वोत्तर भारत के कई राज्यों में अगले तीन दिनों तक भारी बारिश की संभावना जताई गई है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, विभिन्न मौसम प्रणालियों के सक्रिय होने के कारण देश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश, तेज हवाओं और पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी का दौर शुरू होने वाला है।

पहाड़ी राज्यों में भी मौसम का असर काफी गहरा रहने वाला है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में भारी बर्फबारी की आशंका है, जबकि निचले क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इस बर्फबारी और बारिश के कारण पहाड़ों से सटे मैदानी इलाकों में तापमान और नीचे गिरेगा, जिससे ठंड का प्रकोप और अधिक बढ़ जाएगा। सड़कों पर फिसलन और भूस्खलन के खतरे को देखते हुए यात्रियों को अतिरिक्त सावधानी बरतने को कहा गया है। दक्षिण के अन्य हिस्सों जैसे तटीय आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में भी अगले तीन दिनों तक 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली तेज हवाओं और जोरदार बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। पूर्वोत्तर भारत के अरुणाचल प्रदेश में बारिश के साथ बिजली गिरने की आशंका जताई गई है, वहीं अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में भी भारी बारिश को लेकर चेतावनी दी गई है। मौसम विभाग ने आम जनता से अपील की है कि वे खराब मौसम के दौरान अनावश्यक यात्रा से बचें और स्थानीय प्रशासन के निर्देशों का पालन करें।

भारत-अमेरिकी संबंधों पर बोले थरूर- राष्ट्रहित में विकल्प खुले रखना बेहद जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लेकर दी गई हालिया टिप्पणियों पर देश में राजनीतिक बहस छिड़ गई है। इस संवेदनशील कूटनीतिक मुद्दे पर कांग्रेस सांसद और पूर्व राजनयिक शशि थरूर ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए संतुलित विदेश नीति की वकालत की है। थरूर का कहना है कि किसी भी देश के लिए उसके राष्ट्रहित सर्वोपरि होते हैं और कूटनीति का असली उद्देश्य शत्रुओं की संख्या को कम करना और मित्रों का दायरा बढ़ाना होना चाहिए।

हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया था कि प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे मिलने के लिए समय मांगा था। साथ ही, ट्रंप ने यह भी कहा कि रूसी तेल की खरीद पर अमेरिका द्वारा लगाए गए शुल्कों के कारण पीएम मोदी उनसे ज्यादा खुश नहीं हैं। ट्रंप के इन दावों के बीच, शशि थरूर ने कहा कि राष्ट्रहित का अर्थ केवल कड़े रुख अपनाना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना है कि हम अपने लिए बड़ी मुसीबतें या दुश्मन न बनाएं। थरूर ने भारत की बहुपक्षीय विदेश नीति पर जोर देते हुए कहा कि हमारे पास जितने अधिक विकल्प होंगे, हम किसी एक देश के मनमाने व्यवहार या उतार-चढ़ाव से उतने ही अधिक सुरक्षित रहेंगे। उन्होंने रेखांकित किया कि भारत वर्तमान में रूस और अमेरिका, दोनों के साथ मधुर संबंध साझा करता है, जबकि चीन के साथ भी कामकाजी रिश्ते बनाए हुए है। इसके साथ ही जापान, दक्षिण कोरिया, ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के साथ भारत का बढ़ता तालमेल हमारी नीति का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उनके अनुसार, कूटनीति में सुरक्षित रहने का सबसे बेहतर तरीका है कि सभी के साथ संपर्क के रास्ते खुले रखे जाएं।

दूसरी ओर, डोनाल्ड ट्रंप का रवैया काफी आक्रामक रहा है। हाउस जीओपी सदस्य रिट्रीट में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने न केवल पीएम मोदी की मुलाकात के अनुरोध का जिक्र किया, बल्कि पूर्व में भारत पर आयात शुल्क (टैरिफ) बढ़ाने की चेतावनी भी दी थी। ट्रंप ने अपने संबोधन में यह संकेत देने की कोशिश की कि भारतीय नेतृत्व उनके साथ संबंधों को प्राथमिकता देता है। हालांकि, कूटनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि ट्रंप के ऐसे बयान अक्सर उनके घरेलू राजनीतिक एजेंडे और अमेरिका फर्स्ट की नीति से प्रेरित होते हैं। फिलहाल, भारतीय राजनीतिक हलकों में इस बात पर चर्चा तेज है कि अमेरिका के इस दबावपूर्ण रवैये के बीच भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता को कैसे बरकरार रखता है।

दिसंबर के लिए महिला प्लेयर ऑफ द मंथ का ऐलान, लिस्ट में शैफाली वर्मा अकेली भारतीय

दुबई (एजेंसी)। स्टार बल्लेबाज लॉरा वोल्वार्ड्ट, शैफाली वर्मा और दक्षिण अफ्रीका की प्रभावशाली ऑलराउंडर सुने लुस को शानदार प्रदर्शन के बाद दिसंबर 2025 के लिए ICC महिला प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। ICC महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में शानदार प्रदर्शन के बाद वोल्वार्ड्ट ने अपनी प्रतिभा दिखाना जारी रखा और सभी फॉर्मेट में तीन शतक लगाकर एक शानदार साल का समापन किया। आयरलैंड के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की कप्तानी करते हुए, प्रोटियाज कप्तान शानदार फॉर्म में थीं, क्योंकि उनकी टीम ने ODI (3-0) और टी20आई (2-0) दोनों सीरीज़ में क्लीन स्वीप किया।

वोल्वार्ड्ट पहले टी20आई में अपने सबसे खतरनाक फॉर्म में थीं। उन्होंने 205.35 के शानदार स्ट्राइक रेट से नाबाद 115 रन बनाए जिसमें 15 चौके और 4 छक्के शामिल थे। उनका दबदबा ODI सीरीज में भी जारी रहा, जहां उन्होंने ओपनिंग की और पूरी सीरीज में अहम भूमिका निभाई। पहले मैच में 31 रन बनाने के बाद उन्होंने लगातार 2 शतक लगाए, दूसरे ODI में 111 गेंदों पर 124 रन बनाए और फिर आखिरी मैच में नाबाद 100 रन बनाकर क्लीन स्वीप पक्का किया। तीनों ODI में वोल्वार्ड्ट ने 127.50 के शानदार औसत और 111.84 के स्ट्राइक रेट से 255 रन बनाए। उन्होंने टी20आई सीरीज में 190.27 के शानदार स्ट्राइक रेट से 137 रन बनाए और सिर्फ एक बार आउट हुईं।

भारत की शैफाली वर्मा भी श्रीलंका के खिलाफ पांच मैचों की टी20आई सीरीज में उतनी ही विस्फोटक थीं, उन्होंने लगातार आक्रामक शुरुआत दी जिससे भारत ने घरेलू मैदान पर 5-0 से शानदार सीरीज जीत हासिल की। सीरीज के पहले मैच में शांत प्रदर्शन के बाद वर्मा ने दूसरे मैच से लय पकड़ी और नाबाद 69 रन बनाकर भारत को आसानी से जीत दिलाई। इसके बाद उन्होंने तीसरे मैच में एक और नाबाद 79 रनों की पारी खेली जिससे भारत ने 14 ओवर के अंदर ही लक्ष्य हासिल कर लिया। शैफाली का सबसे शानदार प्रदर्शन चौथे टी20आई में आया, जहां उन्होंने स्मृति मंधाना के साथ एक रिकॉर्ड-ब्रेकिंग पार्टनरशिप की, जो महिला टी20आई में किसी भी विकेट के लिए भारत की सबसे बड़ी पार्टनरशिप थी और 46 गेंदों में से 79 रन बनाए जिससे भारत ने अपना अब तक का सबसे बड़ा टी20आई टोटल 221 बनाया। वर्मा ने 5 मैचों में 181.20 के शानदार स्ट्राइक रेट और 80.33 की औसत से 241 रन बनाकर सीरीज खत्म की, और अपने मैच जिताने वाले योगदान के लिए प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ का अवॉर्ड जीता।

दक्षिण अफ्रीकी ऑलराउंडर सुने लुस ने भी एक शानदार महीना बिताया। उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से महत्वपूर्ण प्रदर्शन किया जिससे दक्षिण अफ्रीका ने आयरलैंड को दोनों फॉर्मेट में क्लीन स्वीप किया। लुस ने पहले टी20आई में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया। उन्होंने ओपनिंग करते हुए 81 रन बनाए और फिर चार विकेट लिए। इसके बाद उन्होंने दूसरे मैच में महत्वपूर्ण 37 रन बनाए जिससे दक्षिण अफ्रीका ने 201 का बड़ा टोटल बनाया। ODI सीरीज में उनका प्रभाव और बढ़ा, जहां उन्होंने पहले मैच में नाबाद 66 रन बनाकर टॉप स्कोर किया और एक विकेट भी लिया। दूसरे ODI में लुस ने अपना दूसरा ODI शतक बनाया जिसमें 113 गेंदों में 114 रन शामिल थे और अपने खाते में एक और विकेट जोड़ा।

दो ODI मैचों में लुस ने 102.50 के शानदार औसत और 98.55 के स्ट्राइक रेट से 205 रन बनाए, साथ ही 4.97 की इकॉनमी रेट से चार विकेट भी लिए। टी20आई में उन्होंने 157.33 के स्ट्राइक रेट से 118 रन बनाए और 6.42 की इकॉनमी से चार विकेट लिए, जिससे दिसंबर महीने में एक प्रभावशाली ऑलराउंडर के रूप में उनका महत्व साबित हुआ।

सिडनी टेस्ट के साथ ही ख्वाजा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

मुम्बई (एजेंसी)। सिडनी (ईएमएस)। सिडनी में एशेज सीरीज के अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा का 15 साल का अंतरराष्ट्रीय करियर भी समाप्त हो गया है। सिडनी क्रिकेट मैदान में हुए पांचवें और अंतिम टेस्ट में ख्वाजा असफल रहे और दोनो पारियों में 17 और 6 रन ही बना पाये हालांकि उसने लिए खुशी की बात ये रही कि टीम की जीत के साथ हीउनका संन्यास हुआ। इस मैच से पहले ही इस क्रिकेटर ने संन्यास की घोषणा कर दी थी।

विदायी टेस्ट के पांचवें दिन जब ख्वाजा मैदान पर उतरे, तो वह अपनी टीम के आगे-आगे चलते नजर आए और उनके साथी खिलाड़ी पीछे थे। वहीं जब वह अंतिम बार बल्लेबाजी करने उतरे, तो इंग्लैंड की टीम ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया।

मैच में जीत के बाद ख्वाजा ने कहा, यह मेरे लिए बहुत बड़ी जीत है। इस क्रिकेट सफर में सफर में बहुत कुछ लगा है। क्रिकेट एक शानदार खेल है। मैंने आज सुबह रैफरी से कहा था कि बस खेल का आनंद लेना है। मेरा सपना जीत के साथ समापन का था जो पूरा हुआ है। सबसे ज्यादा खुशी इस बात की है कि मैं अंतिम मैच जीत सका और अपने साथियों के उन्होंने स्वीकार किया कि भावनात्मक रूप से यह मैच उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण था।

ख्वाजा ने कहा, यह बहुत मुश्किल था। मैं खुद को शांत दिखाने की कोशिश कर रहा था, लेकिन इतने अहम टेस्ट मैच में अपनी भावनाओं पर काबू रखना आसान नहीं था। मैंने हमेशा अपने करियर में भावनाओं को नियंत्रित करने में सफल रहा पर इस मैच में ध्यान लगाना बेहद कठिन हो गया था।इसका एक कारण ये भी रहा कि यहीं अपना बचपन बिताया था और यहीं से फर्स्ट क्लास और टेस्ट डेब्यू किया था।

ख्वाजा ने कुल 88 टेस्ट, 40 एकदिवसीय और 9 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। टेस्ट क्रिकेट में ख्वाजा ने ऑस्ट्रेलिया की ओर से 43.39 के औसत से 6229 रन बनाए हैं। टेस्ट प्रारुप में उन्होंने 16 शतक और 28 अर्धशतक लगाए हैं। टेस्ट क्रिकेट में उनका सबसे अधिक स्कोर 232 रनों का रहा है। वहीं एकदिवसीय प्रारुप में उन्होंने 1554 रन बनाए।

तिलक सर्जरी के कारण न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हुए

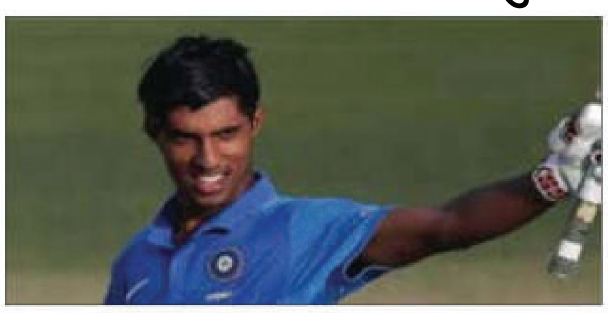

-विश्ककप में भी खेलना संदिग्ध

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाज तिलक वर्मा की सर्जरी हुई है। इस कारण अब तिलक न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर हो गये हैं। यहां तक कि वह अगले माह होने वाले टी20 विश्वकप में भी शायद ही खेल पायें। तिलक को राजकोट में तेज दर्द उठने के बाद अस्पताल ले जाया गया था। इसके बाद उनकी चोट गंभीर पाये जाने के कारण सर्जरी की गयी।

न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 श्रृंखला इसी माह 21 जनवरी से नागपुर में शुरू होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक अधिकारी ने कहा, 'विजय हजारे टूर्नामेंट के लिए हैदराबाद की टीम के साथ राजकोट में खेल रहे तिलक को ग्रोइन क्षेत्र में तेज दर्द उठा। उन्हें तुरंत ही अस्पताल ले जाया गया, जहां स्कैन करने पर तत्काल सर्जरी करने की सलाह दी गई। उन्होंने कहा, 'हमने अपने विशेषज्ञ डॉक्टरों से राय ली और वे भी इस बात से सहमत थे। तिलक की सर्जरी सफल रही और अब वह ठीक है। चिकित्सा पैनल के साथ चर्चा के बाद जैसे ही हमें उनके स्वास्थ्य में सुधार और खेल में उनकी वापसी के संभावित समय के बारे में जानकारी मिलेगी, उसकी जानकारी दी जाएगी। तिलक अगर विश्वकप तक फिट नहीं होते तो ये भारतीय टीम के लिए करारा झटका होगा क्योंकि वह एक बेहतरीन बल्लेबाज हैं। एशिया कप में उन्होंने शानदार पारी खेलकर टीम को जीत दिलायी थी।

ऑस्ट्रेलिया ने सिडनी टेस्ट में इंग्लैंड को पांच विकेट से हराकर 4-1 से एशेज सीरीज जीती

सिडनी (एजेंसी)। स्टीव स्मिथ की कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को पांचवें और अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच में पांच विकेट से हराकर एशेज सीरीज 4-1 से जीत ली है। इस सीरीज में हार के साथ ही कप्तान बेट स्टोक्स की इंग्लैंड टीम के एशेज जीतने का सपना भी टूट गया। इस पूरी सीरीज में ऑस्ट्रेलियाई टीम हावी रही और इंग्लैंड उसके सामने कहीं नहीं टिक पायी। इंग्लैंड की टीम केवल चौथे बॉक्सिंग डे टेस्ट में ही जीतने में सफल रही। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहला, दूसरा, तीसरा और पांचवा टेस्ट जीतकर एक बार फिर एशेज में अपनी बादशाहत साबित की है।

मैच के पांचवे दिन दिन इंग्लैंड की टीम सुबह ही अपनी दूसरी पारी में 342 रन बनाकर आउट हो गयी। जैकब बेथेल ने सबसे अधिक 265 गेंदों पर 154 रन बनाये। वहीं हैरी ब्रूक 42 और जेमी स्मिथ 26 रन बनाकर आउट हुए। वहीं ऑस्ट्रेलिया की ओर से आलराउंडर ब्यू वेब्स्टर और मिचेल स्टार्क ने दूसरी पारी में 3-3 विकेट लिए, जबकि बोलैंड ने दो विकेट लिए जबकि एक विकेट नेसर को मिला।

इसके बाद पहली पारी में मिली 183 रनों की बढ़त के कारण ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिए केवल 160 रन का लक्ष्य मिला, जिसे उसने 31.2 ओवर में 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। लक्ष्य का पीछा करते हुए दूसरी पारी की शुरुआत सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड और जैक वेदरलैंड ने की। ट्रेविस 29 जबकि वेदरलैंड 34 रन बनाकर पेवेलियन लौटे। वहीं कप्तान स्टीव स्मिथ ने 12 रन बनाये। उस्मान ख्वाजा अपने कैरियर के अंतिम मैच में असफल रहे और 7 गेंद पर केवल 6 रन ही बना पाये। मार्नस लाबुशेन ने 37 रन बनाए। वहीं कैमरन ग्रीन 22 और एलेक्स कैरी 16 रन बनाकर नाबाद रहे। कैरी ने चौका लगाकर टीम को जीत दिलायी।।

इस मैच में इंग्लैंड की टीम ने जो रूट के शतक 160 रन और हैरी ब्रूक के 84 रनों की सहायता से अपनी पहली पारी में 384 रन बनाये थे। वहीं ऑस्ट्रेलिया ने ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ के शतकों से करारा जवाब देते हुए पहली पारी में 567 रन बनाये। स्मिथ ने 138 रनों की पारी खेली। वहीं ब्यू वेबस्टर ने नाबाद 71 रन बनाये।

रुट इसी प्रकार खेले तो अगले कुछ साल में सचिन का रिकार्ड तोड़ देंगे

सिडनी (ईएमएस) ।इंग्लैड के बल्लेबाज जो रूट ने एशेज टेस्ट सीरीज में जिस प्रकार से दो शतक लगाये है। उससे वह रनों के मामले में महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के और करीब पहुंच गये हैं। टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड सचिन के नाम है। सचिन ने टेस्ट में 200 मैचों में 15921 रन बनाए थे। वहीं जो रूट ने अब तक 163 टेस्ट मैचों में 13928 रन बनाये हैं। अब रूट और सचिन के बीच 1,984रनों का अंतर रह गया है। अगर रूट का यही फॉर्म कुछ और समय तक जारी रहता है तो वह सचिन के सबसे ज्यादा रन बनाने के वर्ल्ड रिकॉर्ड को तोड़ सकते हैं। टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में सबसे ज्यादा शतक लगाने का विश्व रिकॉर्ड भी सचिन के नाम है। उन्होंने अपने टेस्ट करियर में कुल 51 टेस्ट शतक लगाए थे। वहीं रूट सबसे ज्यादा टेस्ट शतक लगाने के मामले में संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने अभी तक कुल 41 टेस्ट शतक लगाए हैं। अब अगर रूट को तेंदुलकर के इस रिकॉर्ड को तोड़ना है तो उन्हें आने वाले समय में 11 शतक और लगाने होंगे। रुट की उम्र अभी 35 साल है और ऐसे में दो से दिन साल तक खेलने का समय उनके पास और है जिसमें वह इसी लय ये खेलते रहे तो सचिन के रिकार्ड के पास पहुंच ही नहीं उसे तोड़ भी सकते हैं।

स्टार्क 30 विकेट लेने वाले विशिष्ट क्लब में शामिल हुए

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क ने इंग्लैंड के खिलाफ एशेज सीरीज में 31 विकेट लेते ही एक अहम उपलब्धि अपने नाम कर ली है। अब स्टार्क एशेज में 30 या उससे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों के एक विशेष क्लब में शामिल हो गए हैं। स्टार्क ने पांच मैचों की सीरीज की 10 पारियों में 19.93 के बेहतरीन औसत के साथ ही 31 विकेट लिए, इस दौरान उन्होंने दो बार पांच विकेट भी लिए। स्टार्क, ने इस सीरीज में टीम की जीत में भी अहम भूमिका निभाई। इससे पहले साल दिग्गज स्पिनर शेन वॉर्न ने 2005 सीरीज में 40 विकेट, मिशेल जॉनसन ने 2013-14 में 37 विकेट, ग्लेन मैकग्रा ने साल 2001 में 32 विकेट, और वॉर्न ने 2001 में 31 विकेट लिए थे। अब इस सूची में स्टार्क भी शामिल हो गये हैं। एशेज सीरीज में ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड के खिलाफ 4- 1से जीत दर्ज की।

मलेशिया ओपन में भारत का डबल धमाल, पीवी सिंधु और सात्विक-चिराग क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

कुआलालंपुर (एजेंसी)। भारत की दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और पुरुष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी गुरुवार को चल रहे मलेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए। बैडमिंटन विश्व महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) सुपर 1000 प्रतियोगिता में भाग लेते हुए, पूर्व विश्व चैंपियन ने जापान की आठवीं वरीयता प्राप्त तोमोका मियाजाकी को हराकर अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की की। बीडब्ल्यूएफ महिला एकल रैंकिंग में वर्तमान में 18वें स्थान पर काबिज दो बार की ओलंपियन ने अपने पहले दौर के मैच में विश्व नंबर 33 की खिलाड़ी सुंग शुओ-युन (चीनी ताइपे) को 21-13, 22-20 से हराकर टूर्नामेंट के दूसरे दौर में प्रवेश किया।

सिंधु ने पहले गेम में 21-8 से दबदबा बनाया और दूसरे गेम में 21-13 से जीत हासिल करके अपनी लय बरकरार रखी। सिंधु अब क्वार्टर फाइनल में चीन की गाओ फांग जी और जापान की तीसरी वरीयता प्राप्त अकाने यामागुची के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से भिड़ेंगी। पुरुष युगल में, तीसरी वरीयता प्राप्त चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी ने भी मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप को 39 मिनट में 21-18 और 21-11 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। इस जीत के साथ, भारतीय जोड़ी ने मलेशियाई जोड़ी के खिलाफ अपना शीर्ष रिकॉर्ड 4-0 कर लिया।

अब उनका मुकाबला चीन के ताइपे के चेन झी रे/लिन यू चिएह और छठी वरीयता प्राप्त इंडोनेशिया के फजर अल्फियन/फिकरी मुहम्मद के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से होगा। चिराग और सात्विकसाईराज ने चीन के ताइपे के ली झे-हुई और यांग पो-ह्सुआन को 21-13, 21-15 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया। यह मैच मात्र 35 मिनट तक चला।

चीन की ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटीं

वुहान । चीन की ओलंपिक चैंपियन झेंग किनवेन ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन से हटने की घोषणा की है, उन्होंने कहा कि वह अभी तक अपनी पसंदीदा प्रतिस्पर्धी स्थिति में नहीं पहुंची हैं। झेंग ने सोशल मीडिया पर एक बयान पोस्ट किया, जिसमें कहा गया कि यह फैसला उनकी टीम द्वारा सावधानीपूर्वक मूल्यांकन और मेडिकल सलाह के बाद लिया गया है। हालांकि झेंग ने कहा कि उनकी रिकवरी अच्छी तरह से हो रही है और उनका ऑफ-सीजन सुचारू रूप से चला गया है, उन्होंने कहा कि ग्रैंड स्लैम में प्रतिस्पर्धा करने के लिए खिलाड़ियों को 'अत्यधिक प्रतिस्पर्धी स्थिति' में होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'फिलहाल, मैं अभी तक उस सर्वश्रेष्ठ स्थिति में नहीं पहुंची हूं जो मैंने अपने लिए तय की है।'' झेंग ने इस वापसी को 'अविश्वसनीय रूप से कठिन' बताया। झेंग ने कहा, 'मेलबर्न मेरी भाग्यशाली जगह है, जहां मैंने अपना पहला ग्रैंड स्लैम मेन ड्रॉ मैच जीता और जहां मुझे अपना सबसे अच्छा अनुभव मिला। मेरा इस जगह से एक खास रिश्ता है, और मैं मेलबर्न पार्क में अपना नया सीजन शुरू करने के लिए बहुत उत्सुक थी।' झेंग 2024 ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपने पहले ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचीं, जहां वह आर्यना सबालेंका से हार गईं। विंबलडन में पहले दौर से बाहर होने के बाद पिछले जुलाई में उनकी कोहनी की सर्जरी हुई थी। 23 वर्षीय खिलाड़ी ने चाइना ओपन में वापसी की कोशिश करने से पहले यूएस ओपन और कई अन्य टूर्नामेंट छोड़ दिए, लेकिन चोट के दोबारा होने के कारण तीसरे दौर के मैच के तीसरे सेट में उन्हें रिटायर होना पड़ा।

डब्ल्यूपीएल 2026 से पहले मिताली राज का बड़ा बयान, लौरा वोल्वाड्ट को बताया दिल्ली कैपिटल्स का 'गेम चेंजर'

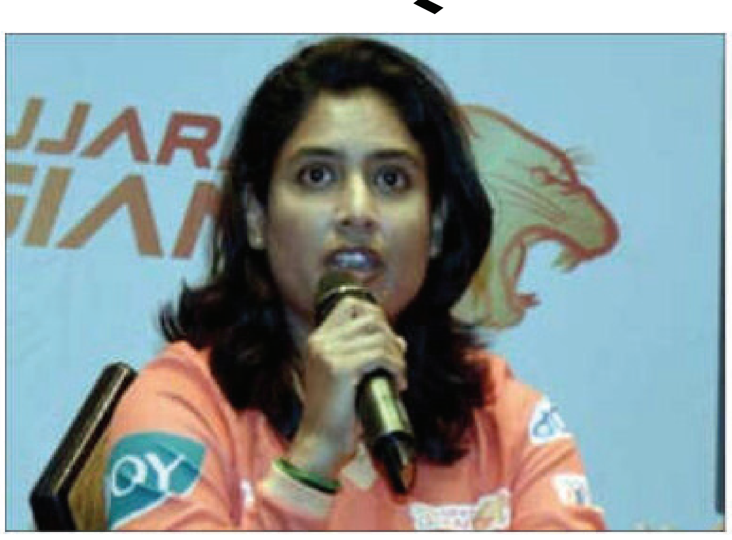

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2026 के नए सीज़न की शुरुआत से पहले जैसे-जैसे समय बीत रहा है, पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज ने तीन बार फाइनल में पहुंचने वाली दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) की टीम और नीलामी में चुने गए उनके महत्वपूर्ण खिलाड़ियों, जिनमें लौरा वोल्वाड्ट भी शामिल हैं, का विश्लेषण किया है। राज ने नई कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स के नेतृत्व में फ्रेंचाइजी के पहले खिताब की संभावनाओं पर भी चर्चा की। राज ने लौरा वोल्वाड्ट, उनके नेतृत्व गुणों और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके शानदार प्रदर्शन के बारे में बात की।

मिताली राज ने जियोस्टार पर कहा कि लौरा वोल्वाड्ट वनडे फॉर्मेट में शानदार फॉर्म में हैं। पिछले कुछ सीज़न में गुजरात जायंट्स के लिए एक बल्लेबाज के रूप में उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है और टीम में उनका योगदान बहुत अधिक रहा है। वह अपनी टीम के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं। उनके नेतृत्व गुणों और बल्लेबाजी को देखते हुए, टीम उन्हें प्लेइंग इलेवन में जरूर शामिल करना चाहेगी। 2026 सीज़न से पहले, दिल्ली कैपिटल्स ने जेमिमा को अपना नया कप्तान घोषित किया है, जो ऑस्ट्रेलिया की मेग लैनिंग की जगह लेंगी।

डब्ल्यूपीएल 2026 में दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी संभालने के बारे में बात करते हुए, राज ने कहा कि उन्हें टीम का नेतृत्व करते देखना बहुत दिलचस्प होगा, और भारत के लिए खेलते हुए उन्होंने जो अनुभव हासिल किया है, वह उनके लिए स्वाभाविक रूप से काम आएगा। उन्होंने आगे कहा, 'जेमिमा रोड्रिग्स को दिल्ली कैपिटल्स की कप्तानी करते देखना बहुत दिलचस्प होगा। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में मुंबई की कप्तानी की है, लेकिन किसी फ्रेंचाइजी की कप्तानी करना और विदेशी खिलाड़ियों के मार्गदर्शन में खेलना थोड़ा अलग होता है। हालांकि, भारत के लिए खेलते हुए उन्होंने जो अनुभव हासिल किया है, उससे यह उनके लिए स्वाभाविक रूप से काम आएगा।' दिल्ली कैपिटल्स अब तक सभी डब्ल्यूपीएल सीजन के फाइनल में पहुंची है, लेकिन ट्रॉफी जीतने में नाकाम रही है। डब्ल्यूपीएल की शुरुआत 9 जनवरी से मुंबई इंडियंस (एमआई) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच होने वाले मैच से होगी। डीसी रविवार को एमआई के खिलाफ डब्ल्यूपीएल 2026 सीजन का पहला मैच खेलेगी।

खराब दौर से गुजर रही चेल्सी ने लियम रोसेनियर को बनाया कोच

लंदन । एम समय प्रीमियर लीग फुटबॉल की शीर्ष टीम रही चेल्सी आजकल कठिन दौर से गुजर रही है। टीम को बड़े मुकाबलों में जीत नहीं मिल रही। एस समय टीम किसी भी हाल में जीतने का प्रयास करती थी पर पिछले कुछ समय में इसमें अंतर आया है। इसी के तहत ही स्ट्रासबर्ग के मुख्य कोच रहे लियम रोसेनियर को क्लब ने कोच बनाया है। 41 साल के रोसेनियर ने 2024 में पैट्रिक विएरा की जगह स्ट्रासबर्ग की कमान संभाली थी और अब वह एन्ज़ो मारेस्का की जगह चेल्सी के मुख्य कोच बने हैं। चेल्सी के लिए यह एक बड़ा प्रयोग है। क्लब उम्मीद कर रहा है कि रोसेनियर न सिर्फ युवाओं को तकनीकी रूप से बेहतर बनाएंगे, बल्कि ड्रेसिंग रूम में अनुशासन और स्थिरता भी लाएंगे। रोसेनियर की कोचिंग जगत में अलग छवि है। बतौर खिलाड़ी उन्होंने प्रीमियर लीग और चैंपियनशिप में डिफेंडर के रूप में लंबा करियर बिताया। खेल से संन्यास के बाद वह कोचिंग में आए और ब्राइटन अंडर-23, डर्बी काउंटी और फिर वेन रूनी के सहायक के तौर पर सफल रहे हैं। वेन रूनी ने भी रोसेनियर की जमकर प्रशंसा की है। उनके मुताबिक, रोसेनियर का काम करने का तरीका,उन्हें खास बनाती है। यह भी माना जाता है कि डर्बी में कठिन हालात के बावजूद टीम को संभालने में रोसेनियर की भूमिका अहम रही ।कोच के तौर पर रोसेनियर की सबसे बड़ी पहचान युवा खिलाड़ियों को निखारना रही है। हल सिटी में उन्होंने सीमित संसाधनों के बावजूद टीम को सातवें स्थान तक पहुंचाया। वहां लियम डेलाप, टायलर मॉर्टन और फैबियो कार्वाल्हो जैसे युवा खिलाड़ियों को उन्होंने भरपूर मौके दिए।

एक्टर विनीत कुमार सिंह ने शुरू की नई फिल्म की शूटिंग

विनीत कुमार सिंह ने नए साल की शुरुआत नई ऊर्जा और नए प्लान के साथ की है। 2025 उनके लिए शानदार रहा, जिसमें एक के बाद एक हिट फिल्में आईं। इनमें उनकी बड़ी सफलता छावा भी शामिल है। अब 2026 की शुरुआत उनके लिए और भी धमाकेदार हो रही है। उन्होंने अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर सोशल मीडिया हैंडल पर पूजा मुहूर्त का वीडियो और तस्वीरें शेयर की हैं।

विनीत का पोस्ट

विनीत ने शूटिंग के पहले दिन की कुछ तस्वीरें और वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किए। इनमें टीम पूजा करती दिख रही है और विक्रम सेट पर काम करते नजर आ रहे हैं। एक वीडियो में विनीत अपनी को-स्टार सैयामी खेर के साथ आरती करते दिखे। टीम के बाकी लोग पीछे खड़े नजर आ रहे हैं। एक और क्लिप में विनीत भावुक होकर विक्रम को गले लगाते नजर आए। बाकी फोटो में टीम काम में व्यस्त है।

विनीत का नोट

विनीत ने इन शानदार पर पूजा मुहूर्त की तस्वीरों और वीडियो शेयर किया और कैप्शन में लिखा, इस खूबसूरत कहानी को सबके सामने लाने के लिए उत्सुक हूं। तब तक इस प्रक्रिया को एंजॉय करें और कुछ जादू बनाएं।

फिल्म के बारे में

विक्रम फडनिस कई मराठी फिल्में बना चुके हैं, लेकिन यह उनकी बॉलीवुड में डायरेक्टर के तौर पर पहली फिल्म है। विनीत ने डिजाइनर से डायरेक्टर बने विक्रम फडनिस के साथ एक नई फिल्म शुरू की है। उन्होंने इस कहानी को बहुत खूबसूरत और अपने दिल के करीब बताया है। इस फिल्म में विनीत के साथ सैयामी खेर नजर आएंगी। इस अनटाइटल्ड फिल्म में विनीत और सैयामी के अलावा ताहिर राज भसीन और सुचित्रा पिल्लई भी हैं।

को-एक्टर्स से दोस्ती हो या न हो, अभिनय पर नहीं पड़ना चाहिए असर

इंडस्ट्री में कलाकारों को न सिर्फ अपने किरदार में ढलना पड़ता है, बल्कि निजी रिश्तों और भावनाओं से ऊपर उठकर काम करना भी सीखना होता है। एक अच्छा अभिनेता वही माना जाता है जो अपने सह-कलाकारों के साथ निजी समीकरण चाहे जैसे भी हों, कैमरे के सामने पूरी ईमानदारी और मेहनत के साथ किरदार निभा सके। इसी सोच को लेकर अभिनेत्री डायना पेंटी ने बात की।

अपनी नई स्ट्रीमिंग सीरीज डू यू वाना पार्टनर के प्रमोशन के दौरान उन्होंने अभिनय, प्रोफेशनलिज्म और को-एक्टर्स के साथ काम करने के अनुभव पर विस्तार से बात की। आईएएनएस से बात करते हुए डायना पेंटी ने कहा, एक अच्छे अभिनेता के लिए यह बहुत जरूरी है कि वह निजी रिश्तों को अपने काम पर हावी न होने दे। चाहे आप किसी सह-कलाकार के साथ अच्छे दोस्त हों या नहीं, स्क्रीन पर जो दिखता है, वह पूरी तरह से किरदार की मांग पर आधारित होना चाहिए, न कि व्यक्तिगत संबंधों पर।

डायना ने कहा, डू यू वाना पार्टनर में मेरी सह-कलाकार तमन्ना भाटिया हैं, और उनके साथ काम करने का अनुभव काफी अच्छा रहा। हम दोनों के बीच सेट पर अच्छी बॉन्डिंग बनी, लेकिन मेरा मानना है कि एक अभिनेता की असली परीक्षा यही होती है कि वह निजी रिश्तों से अलग रहकर अपने किरदार को कितनी सच्चाई से निभा पाता है। अभिनय की गुणवत्ता इस बात से तय होती है कि कलाकार अपने निजी अनुभवों और भावनाओं को कितनी समझदारी से अलग रख पाता है। डायना ने कहा, इस शो के मामले में मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं, क्योंकि तमन्ना के साथ मेरी दोस्ती स्वाभाविक रूप से बन गई थी। सेट पर माहौल काफी सहज और सकारात्मक था, जिससे काम करना और भी आसान हो गया। जब आपका रिश्ता ऑफ-स्क्रीन मजबूत होता है, तो वही मजबूती ऑन-स्क्रीन भी नजर आने लगती है। इससे सीन में एक अलग तरह की सच्चाई और ऊर्जा आ जाती है, जो दर्शकों को भी महसूस होती है।

तमन्ना भाटिया के साथ अपनी केमिस्ट्री पर बात करते हुए डायना ने कहा, हम दोनों को कभी भी एक-दूसरे के साथ तालमेल बैठाने में कोई परेशानी नहीं हुई। हमने कई सीन्स में साथ में काम किए और कई बार नए एक्सप्रेशन भी जोड़ पाए। जब कलाकार एक-दूसरे के साथ सहज होते हैं, तो इम्प्रोवाइज करने की आजादी भी मिलती है, जो कहानी को और बेहतर बना देती है।

उन्होंने कहा, मैं और तमन्ना एक-दूसरे के साथ इतने कंफर्टेबल थे कि बिना झिझक अपनी राय रख सकते थे। हमारे बीच कोई औपचारिक भरा रिश्ता नहीं था, जहां हर बात सोच-समझकर कहनी पड़े। हम खुलकर एक-दूसरे से बात कर सकते थे, चाहे वह सीन से जुड़ी सलाह हो या किसी डायलॉग पर चर्चा। ऐसा माहौल हर प्रोजेक्ट में नहीं मिलता और जब मिलता है, तो कलाकारों के काम में उसका साफ असर दिखता है। डायना ने कहा, कलाकारों की अच्छी बॉन्डिंग काम को आसान बना देती है, लेकिन एक अभिनेता को हर हाल में प्रोफेशनल रहना चाहिए। निजी रिश्ते कभी भी किरदार से बड़े नहीं होने चाहिए। अभिनय एक ऐसी कला है जिसमें अनुशासन और आत्म-नियंत्रण बहुत जरूरी है।

...अब बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रहीं कल्याणी प्रियदर्शन

रणवीर सिंह के साथ आएंगी नजर

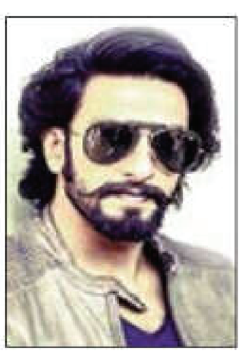

अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन ने साल 2025 में सुपरहिट मलयालम फिल्म 'लोका चैप्टर 1- चंद्रा' में अपने अभिनय से काफी सुर्खियां बटोरीं। फिल्म को क्रिटिक्स और दर्शकों दोनों ने ही पसंद किया था। 'लोका' की सफलता के बाद अब ऐसा लगता है कि कल्याणी बॉलीवुड में भी अपना डेब्यू करने जा रही हैं। इसके लिए वो काफी उत्साहित हैं। ऐसी चर्चाएं उठ रही हैं कि कल्याणी प्रियदर्शन जल्द ही बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर सकती हैं। चर्चाएं ये भी हैं कि कल्याणी रणवीर सिंह की आगामी फिल्म 'प्रलय' से बॉलीवुड में कदम रखने वाली हैं। हालांकि, अभी तक इसकी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन ये चर्चाएं तेज हुई कल्याणी की एक इंस्टाग्राम स्टोरी के चलते। दरअसल, हाल ही में कल्याणी ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर साझा की और प्रलय के निर्देशक जय मेहता को टैग किया। ये तस्वीर जोस सारामागो द्वारा लिखित उपन्यास ब्लाइंडनेस की थी। इसे कल्याणी आजकल पढ़ रही हैं। कल्याणी ने इस गिफ्ट के लिए जय को धन्यवाद दिया। अपनी स्टोरी में जय को टैग करने के बाद से ही कल्याणी के बॉलीवुड डेब्यू की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

इन अटकलों के बीच मशहूर कास्टिंग डायरेक्टर मुकेश छाबड़ा ने एक पोस्ट में खुलासा किया कि वह प्रलय पर काम कर रहे हैं। उनके ट्वीट से कल्याणी के बॉलीवुड डेब्यू की अफवाहों की ओर इशारा मिला। उन्होंने ट्वीट किया, 'प्रलय शुरू करने का बेसब्री से इंतजार है। बहुत उत्साहित हूं।'

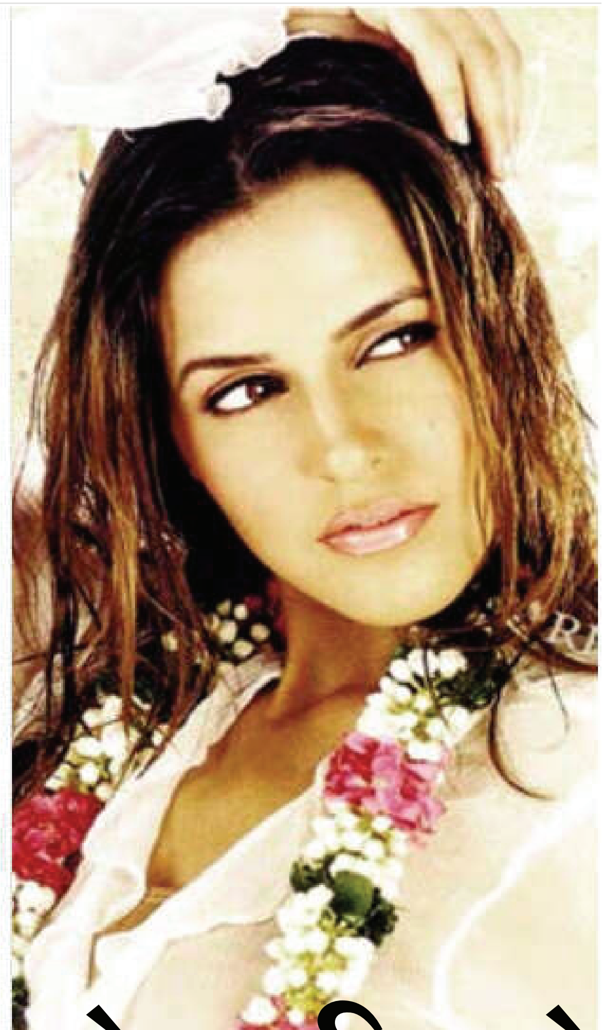

नेहा धूपिया ने अक्षय खन्ना के बारे में बात की

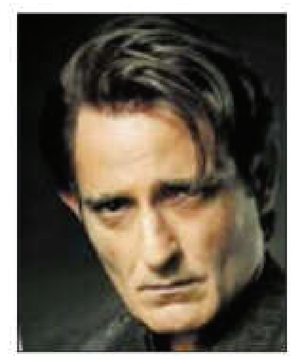

एक्ट्रेस नेहा धूपिया को सिंगल पापा और परफेक्ट फैमिली जैसे शोज में शानदार अभिनय करने के लिए हर तरफ से तारीफ मिल रही है। उन्होंने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि इंडस्ट्री में ऐसा नहीं है कि अच्छा काम करने पर खूब मौके मिलते हैं। उन्होंने बताया कि तीन-चार साल तक उनके पास काम नहीं था और वह घर बैठी थीं, जिससे उनको एंग्जाइटी होने लगी थी। वह रोती भी थीं। नेहा धूपिया ने बॉलीवुड हंगामा से बातचीत में बताया, जब मैं काम नहीं कर रही होती हूं तो मुझे बेचैनी होती है। इंडस्ट्री में 20 साल बिताने के बाद भी, जब काम नहीं होता तो मैं तकिए पर सिर रखकर रोती हूं। मैंने तीन दिन पहले भी ऐसा ही किया था। मैं इस बारे में कोई दुख भरी कहानी नहीं बनाना चाहती क्योंकि मुझे फिल्मों का काम बहुत पसंद है। मुझे लगता है कि यह मुझे कभी निराश नहीं करेगा। नेहा ने आगे बताया कि इंडस्ट्री में एक्ट्रर्स को हमेशा मोटी चमड़ी वाला बनने की सलाह दी जाती है, लेकिन प्रोजेक्ट खोना और लगातार आलोचना का सामना करना काफी मुश्किल हो सकता है। सबसे जरूरी बात तो ये है कि कि जब आप काम नहीं कर रहे होते हैं, तो आपके आस-पास वाला हर कोई काम कर रहा होता है। आप लाइफ को ऐसे जाते हुए देखते हैं। मुझमें और एक नए कलाकार में बस यही फर्क है कि मैं ऐसी चीजों से बाहर निकलना जानती हूं। मैं कई बार इस तरह की चीजों से गुजर चुकी हूं।

अक्षय खन्ना से होती हैं मोटिवेट

उन्होंने आगे कहा कि काम से हमेशा और काम मिलता है। अक्षय खन्ना के करियर से उन्हें अब मोटिवेशन मिलता है। उन्होंने कहा, काम से और काम मिलना जरूरी है। अगर मेरे हालिया दो शोज से कुछ नहीं मिलता तो कोई फायदा नहीं। क्या काम से अच्छा काम मिलता है? कभी-कभी तो समझ ही नहीं आता... फिर अक्षय खन्ना का करियर देखती हूं तो सोचती हूं कि हमें भी 6 साल घर बैठ जाना चाहिए। यही उम्मीद है कि काम से और काम मिलता रहेगा।

नेहा धूपिया कभी बेरोजगार नहीं रहीं

एक्ट्रेस ने बताया कि जब उनको तीन-चार साल तक एक्टिंग का कोई काम नहीं मिलता तो वह थक जाती हैं लेकिन भगवान की कृपा से कभी बेरोजगार नहीं रहीं। कभी ऐसा नहीं हुआ कि वह खाली हो क्योंकि वह बहुत कुछ करती हैं। उससे वह थक जाती हैं लेकिन अंत में संतोष होता है कि कुछ किया है।

फ्लॉप फिल्मों से ज्यादा इस बात से लगता है डर

आयुष्मान खुराना बॉलीवुड के उन कलाकारों में शामिल हैं, जो हर तरह के किरदार में खुद को सहजता से ढाल लेते हैं। हाल ही में आयुष्मान खुराना ने लंबी बातचीत की। इस बातचीत में सिनेमा और अपने करियर को लेकर कई बातें साझा की हैं।

आप अलग-अलग तरह की फिल्में करते हैं, आपको किस तरह का सिनेमा ज्यादा पसंद है?

मेरे लिए कमर्शियल और एक्सपेरिमेंटल सिनेमा के बीच की रेखा कभी दीवार नहीं रही। मैं यह मानता हूं कि दोनों तरह की फिल्में साथ चल सकती हैं। बस कहानी ईमानदार होनी चाहिए और उसमें नयापन होना चाहिए। अपने करियर के इस पड़ाव पर मुझे फ्लॉप फिल्मों से ज्यादा डर सुरक्षित और उबाऊ सिनेमा से लगता है। मैंने हमेशा कोशिश की है कि हर काम में कुछ नया और लगातार एक्सपेरिमेंट करता रहूं। आगे मैं बड़े बजट की फिल्में जरूर करूंगा लेकिन मेरी मूल पहचान वही है, जिससे मैंने शुरुआत की थी। कुछ अलग, कुछ हटकर फिल्में करना ही मेरा मकसद है। मैं हमेशा अपनी ऑडियंस को चौंकाना चाहता हूं।

फिल्मों की सफलता का पैमाना आपके लिए क्या है?

'थामा' की हाई ओपनिंग और 'ड्रीम गर्ल 2' का 100 करोड़ क्लब में शामिल होना, मैं इन दोनों बातों को सिर्फ बॉक्स ऑफिस नंबर्स की तरह नहीं देखता। कोविड के बाद थिएटर का पूरा सिस्टम बदल चुका है।

ऐसे समय में इन फिल्मों का चलना मेरे लिए बहुत मायने रखता है। आज ऑडियंस को सबसे ज्यादा खींचने वाली चीज जिज्ञासा है। हमने यह भी देखा है कि बिना बड़े सुपरस्टार वाली फिल्में भी चली हैं। अच्छी कहानी अपने आप ही ऑडियंस खींचती है।

आप कई फैंचाइजी फिल्मों का हिस्सा रहे हैं? इन फिल्मों के चयन की वजह क्या रही है?

मैंने कोई रणनीति बनाकर फ्रैंचाइजी फिल्मों पर काम नहीं किया। चाहे 'बधाई हो' हो या 'ड्रीम गर्ल' या फिर 'शुभ मंगल..', ये किसी मास्टर प्लान का हिस्सा नहीं थीं। मेरे लिए हमेशा स्क्रिप्ट ही सबसे अहम रही है। स्क्रिप्ट पसंद आने के बाद ही मैं इन फिल्मों से जुड़ा हूं।'

आप ऑडियंस को क्या नया दिखाना चाहते हैं?

कोविड के बाद लगातार 100 करोड़ क्लब में पहुंचने वाली फिल्मों को मैं सिर्फ नंबर की तरह नहीं देखता। बॉक्स ऑफिस की सफलता जरूरी है, क्योंकि यह ऑडियंस के भरोसे को दिखाती है। मेरी कोशिश यही रहती है कि हर बार ऑडियंस को कुछ ऐसा दूं, जो उन्होंने पहले न देखा हो।

अपने करियर के मौजूदा दौर और आने वाले काम को लेकर क्या आप संतुष्ट हैं?

साल 2026 में मैं कई तरह के किरदारों में नजर आऊंगा। मेरी हर फिल्म की तैयारी अलग रही है। कहीं ज्यादा शारीरिक तैयारी करनी पड़ी, तो कहीं भावनात्मक गहराई में जाना पड़ा। लेकिन अच्छी टीम के साथ काम करने से सब कुछ आसान लगा। अपनी पिछली फिल्मों की सफलता के बाद मैं इस दौर को संतोषजनक मानता हूं।

भारतीय सिनेमा को लेकर आपका क्या नजरिया है?

आज जब मैं पीछे मुड़कर देखता हूं, तो लगता है कि हम एक बहुत दिलचस्प दौर में हैं। पिछले कुछ वर्षों में हमने कई बेहतरीन फिल्में देखी हैं। चाहे 'लापता लेडीज' हो, 'होमबाउंड' हो या दूसरी फिल्में। इन फिल्मों ने नए कलाकारों को आगे आने का मौका दिया है। आज इंडस्ट्री में कई नए चेहरे जुड़ रहे हैं। मुझे उत्सुकता है कि आने वाले समय में वे क्या-क्या काम करेंगे? यह देखकर भी अच्छा लगता है कि भारतीय सिनेमा अब सिर्फ देश तक सीमित नहीं रहा है। हमारा कंटेंट इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म तक पहुंच रहा है। बड़े फिल्म फेस्टिवल्स में जगह बना रहा है। वहां उसे सराहा भी जा रहा है। यह भारतीय सिनेमा का सुनहरा दौर है।'

संक्षिप्त समाचार

यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए ट्रंप के दूत विटकॉफ से मिले जेलेंस्की, समर्थन के लिए यूएस को कहा धन्यवाद

पेरिस, एजेंसी। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार को पेरिस में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल के स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर के साथ एक अहम बैठक की। इस बैठक में दोनों पक्षों ने मुख्य रूप से रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के कूटनीतिक प्रयासों पर चर्चा की। साथ ही दोनों पक्षों ने सुरक्षा गारंटी, युद्धविराम की निगरानी और देश के पुनर्निर्माण जैसे अहम मुद्दों पर विचार किया। इस दौरान राष्ट्रपति जेलेंस्की ने अमेरिकी समर्थन और सहयोग के लिए धन्यवाद दिया और इसे युद्ध समाप्ति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया। उन्होंने कहा कि अमेरिका सुरक्षा गारंटी, युद्धविराम की निगरानी और देश के पुनर्निर्माण में मदद करने के लिए तैयार है। आगे जेलेंस्की ने इस बात पर भी जोर दिया कि सात जनवरी को पेरिस में दोनों देशों की टीमें फिर से सुरक्षा गारंटी और युद्ध समाप्ति के लिए बुनियादी ढांचे पर काम जारी रखेंगी। बता दें कि इस बैठक में यूक्रेन की ओर से कार्यालय प्रमुख किरिलो बुडानोव, राष्ट्रीय सुरक्षा और रक्षा परिषद के सचिव रुस्तेम उमेरोव, जनरल आंद्रेई ह्नातोव, कार्यालय के पहले उप प्रमुख सर्गी किसलित्स्या और राष्ट्रपति कार्यालय के सलाहकार ओलेक्सांद्र बेव्ज शामिल थे। वहीं इस बैठक के बाद अमेरिकी विशेष दूत स्टीव विटकॉफ ने कहा कि उनकी टीम ने यूक्रेनी प्रतिनिधिमंडल और 'कोएलिशन ऑफ द विलिंग' के साथ बैठक की, जिससे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शांति योजना को आगे बढ़ाया जा सके। अब बात अगर बैठक में अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल की करें तो ट्रंप की तरफ से जैरेड कुश्नर, जनरल एलेक्स ग्रिंकेविच, एम्बेसडर चार्ल्स कुश्नर और व्हाइट हाउस सलाहकार जोश ग्रुएनबाम इस बैठक में शामिल थे।

मादुरो की गिरफ्तारी के समय वेनेजुएला के 24 सुरक्षा अधिकारी मारे गए, कुल आंकड़ा 50 के पार

कराकस, एजेंसी। वेनेजुएला की सेना ने बताया है कि शनिवार को अमेरिकी सैन्य ऑपरेशन में वेनेजुएला के कम से कम 24 सुरक्षा अधिकारी मारे गए। इससे मरने वालों की आधिकारिक संख्या करीब 56 हो गई है। इनमें आम नागरिक और सैन्यकर्मी दोनों शामिल हैं। वेनेजुएला के अटॉर्नी जनरल तारेक विलियम साब ने मंगलवार को कहा कि दर्जनों अधिकारी और नागरिक मारे गए और अभियोजक इन मौतों की जांच करेंगे। साब ने अमेरिकी अभियान को युद्ध अपराध करार दिया। इससे पहले क्यूबा की सरकार ने रविवार को एलान किया कि अमेरिकी अभियान में वेनेजुएला में काम कर रहे उसके 32 सैनिक और पुलिस अधिकारी मारे गए हैं। क्यूबा ने कहा कि ये सैनिक वेनेजुएला में काम कर रहे थे। वेनेजुएला की सेना ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें अमेरिकी हमले में मारे गए सैनिकों की तस्वीरें दिख रही हैं। शनिवार को अमेरिका ने वेनेजुएला पर एक विशेष सैन्य अभियान के तहत हमला किया। इस कार्रवाई के दौरान वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को राजधानी काराकास से पकड़ लिया गया और उन्हें गिरफ्तार कर अमेरिका ले जाया गया। इससे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक न्यूज चैनल से बातचीत में कहा था कि इस ऑपरेशन में अमेरिका की तरफ कोई मौत नहीं हुई, सिर्फ कुछ सैनिक घायल हुए। ट्रंप ने इसे बेहद जटिल लेकिन सफल ऑपरेशन बताया और अमेरिकी सेना की जमकर तारीफ की। ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अब वेनेजुएला को अस्थायी रूप से चलाएगा, जब तक वहां सुरक्षित और व्यवस्थित सत्ता परिवर्तन नहीं हो जाता।

कनाडा में मोहाली के स्टूडेंट की मौत: पैदल ही जा रहा, कार ने मारी टक्कर, पुलिस खंगाल रही डैशकैम फुटेज

मोहाली, एजेंसी। कनाडा के ओंटारियो प्रांत में एक सड़क हादसे में पंजाब के मोहाली जिले की लालड़ू मंडी निवासी 22 वर्षीय छात्र अरमान चौहान की मौत हो गई। यह घटना 5 जनवरी को ओंटारियो के हाईवे-401 पर क्रामहे टाउनशिप के पास हुई। हादसे के कारणों का अभी तक पता नहीं चल पाया है, जिसके चलते ओंटारियो प्रोविंशियल पुलिस (ओपीपी) मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार, अरमान अपने एक दोस्त के साथ मॉन्ट्रियल से टोरंटो की ओर जा रहा था। हालांकि, हादसे के समय अरमान के पैदल चलने की बात सामने आई है। यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि वह व्यस्त हाईवे पर पैदल किन परिस्थितियों में पहुंचा। जांच एजेंसियां इसी बिंदु को लेकर असमंजस में हैं। ओंटारियो प्रोविंशियल पुलिस को सूचना मिली थी कि हाईवे की पश्चिमी लेन में एक कार ने एक पैदल यात्री को टक्कर मारी है। मौके पर पहुंची पुलिस को मीडियन के पास एक कार खड़ी मिली। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि अरमान की जान उसी कार की टक्कर से गई या किसी अन्य वाहन की चपेट में आने से। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों और डैशकैम फुटेज के जरिए पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है।

कोलंबिया के राष्ट्रपति की ट्रम्प को धमकी: कहा- हिम्मत है तो मुझे पकड़कर दिखाओ

बोगोटा, एजेंसी। पेट्रो ने सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प को सीधी चुनौती देते हुए कहा है कि अगर हिम्मत है तो उन्हें गिरफ्तार करके दिखाएं। उन्होंने कहा कि वह कोलंबिया में ही मौजूद हैं और अमेरिका का इंतजार कर रहे हैं। पेट्रो के इस बयान ने पूरे लैटिन अमेरिका में सियासी हलचल तेज कर दी है। उन्होंने यह बयान वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को गिरफ्तार करने के बाद दिया। गौरतलब है कि मादुरो भी अगस्त 2025 में डोनाल्ड ट्रम्प को इसी तरह की चुनौती दे चुके हैं। मादुरो ने कहा था कि अगर हिम्मत है तो अमेरिका आकर उन्हें गिरफ्तार करे। इसके जवाब में अमेरिका ने मादुरो की गिरफ्तारी पर घोषित इनाम की राशि और बढ़ा दी थी।

अमेरिका ने हमला किया तो भड़क सकती है गुरिल्ला जंग: पेट्रो ने चेतावनी दी है कि अगर अमेरिका ने कोलंबिया या उससे आसपास के इलाकों में सैन्य हमला किया तो इसके गंभीर नतीजे होंगे। पेट्रो के मुताबिक, अमेरिकी बमबारी की स्थिति में गांवों में रहने वाले किसान हथियार उठा सकते हैं और पहाड़ी इलाकों में जाकर गुरिल्ला लड़ाई शुरू हो सकती है, जिससे पूरा क्षेत्र अस्थिर हो जाएगा। पेट्रो ने यह भी कहा कि अगर ऐसे राष्ट्रपति को गिरफ्तार करने की कोशिश की गई, जिसे देश की बड़ी आबादी पसंद करती है और सम्मान देती है, तो जनता का गुस्सा फूट सकता है। गुस्तावो पेट्रो ने यह भी कहा कि वे खुद पहले गुरिल्ला आंदोलन का हिस्सा रह चुके हैं और उन्होंने 1990 के दशक में हथियार छोड़ दिए थे। उन्होंने कहा कि मैंने कसम खाई थी कि अब कभी बंदूक नहीं उठाऊंगा, लेकिन अगर देश और मातृभूमि की रक्षा के लिए जरूरत पड़ी तो वे फिर से हथियार उठा सकते हैं।

ट्रम्प ने कोलंबिया को बीमार देश बताया था : इससे पहले ट्रम्प ने कोलंबिया पर गंभीर आरोप लगाए थे। रविवार को पत्रकारों से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा था कि कोलंबिया एक बीमार देश है और वहां एक ऐसा शख्स शासन कर रहा है जो कोकीन बनाकर अमेरिका भेजता है। ट्रम्प ने यह भी कहा कि यह राष्ट्रपति ज्यादा समय तक सत्ता में नहीं रहेगा। इतना ही नहीं, ट्रम्प ने यह बयान भी दिया कि कोलंबिया के खिलाफ सैन्य कार्रवाई करना उन्हें एक अच्छा विचार लगता है।

कोलंबिया बोला- किसी को धमकी देना सही नहीं : कोलंबिया सरकार ने इन बयानों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि वह अंतरराष्ट्रीय रिश्तों में बातचीत, सहयोग और आपसी सम्मान में विश्वास रखती है। सरकार ने साफ शब्दों में कहा कि किसी भी देश को धमकी देना या ताकत का इस्तेमाल करना सही नहीं है और यह अंतरराष्ट्रीय नियमों के खिलाफ है। गौरतलब है कि इससे पहले अक्टूबर महीने में ट्रम्प प्रशासन ने कोलंबियाई राष्ट्रपति पेट्रो और उनके परिवार के कुछ सदस्यों पर ड्रग तस्करी से जुड़े संबंधों के आरोप लगाते हुए प्रतिबंध लगाए थे। कोलंबिया दुनिया का सबसे बड़ा कोकीन उत्पादक देश माना जाता है। कोकीन बनाने के लिए इस्तेमाल होने वाला कोका पौधा कोलंबिया, पेरू और बोलीविया जैसे देशों में उगाया जाता है।

व्हाइट हाउस ने मादुरो से जुड़ा वीडियो शेयर किया : व्हाइट हाउस ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो जारी किया, जिसमें मादुरो के पुराने बयानों और अमेरिकी कार्रवाई के वीडियो दिखाए गए। इस वीडियो में अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ की टिप्पणी भी शामिल थी, जिसमें उन्होंने कहा कि मादुरो को मौका दिया गया था, लेकिन उन्होंने उसे गंवा दिया और अब उन्हें इसके नतीजे भुगतने पड़ रहे हैं। इस वीडियो में मादुरो को अमेरिका को चुनौती देते हुए दिखाया गया है। इसके साथ ही उस सैन्य कार्रवाई की फुटेज भी शामिल है, जिसमें अमेरिकी सेना ने मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को पकड़ने के लिए छापा मारा। यह वीडियो कुल 61 सेकंड का है। वीडियो में राष्ट्रपति ट्रंप की वेनेजुएला पर की गई कार्रवाई को लेकर प्रेस कॉन्फ्रेंस के सीन भी दिखाए गए हैं।

विदेश मंत्री जयशंकर ने लक्जमबर्ग के राष्ट्राध्यक्ष ग्रैंड ड्यूक गुइलौम से की मुलाकात

लक्जमबर्ग सिटी, एजेंसी। भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर लक्जमबर्ग के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने मंगलवार को लक्जमबर्ग के राष्ट्राध्यक्ष ग्रैंड ड्यूक गुइलौम से मुलाकात की। जयशंकर ने गुइलौम से मुलाकात की तस्वीर भी साझा की। विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि आज लक्जमबर्ग के राष्ट्राध्यक्ष ग्रैंड ड्यूक गुइलौम से मुलाकात करना मेरे लिए सम्मान की बात रही। उन्हें राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं। भारत के प्रति उनकी सकारात्मक भावनाओं और हमारी द्विपक्षीय साझेदारी को और प्रगाढ़ बनाने के उनके दृष्टिकोण की मैं सराहना करता हूं। इससे पहले भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत और लक्जमबर्ग फिनटेक, स्पेस, डिजिटल दुनिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) में और ज्यादा प्रोडक्टिव तरीके से सहयोग कर सकते हैं। लक्जमबर्ग के डिप्टी पीएम और विदेश मंत्री जेवियर बेटेल के साथ अपनी मीटिंग के दौरान ईएएम एस जयशंकर ने भरोसा जताया कि दोनों देशों को इन चर्चाओं से फायदा हो सकता है। ईएएम जयशंकर ने कहा, 'मैं देख सकता था कि यहां हमारा एक बहुत सक्रिय समुदाय है। लेकिन, आप जानते हैं कि हमारे पास जो बहुत सॉलिड ट्रेड अकाउंट है।

पीएम मोदी के मुकाबले ट्रंप कमजोर, पलटे जा सकते हैं फैसले; एक्सपर्ट ने क्यों कहा ऐसा

वाशिंगटन, एजेंसी। जियो-पॉलिटिकल एक्सपर्ट इयान ब्रेमर ने अमेरिका द्वारा वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी के बाद व्हाइट हाउस की नीति पर गंभीर सवाल उठाए हैं। ब्रेमर ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन को वेनेजुएला से मिलने वाले अल्पकालिक लाभ दीर्घकालिक नहीं रह सकते, क्योंकि ट्रंप का कार्यकाल सीमित है और उनके उत्तराधिकारी उनके कई फैसलों को पलट सकते हैं। उन्होंने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तुलना में ट्रंप की स्थिति को कमजोर बताया। मोदी अपनी लोकप्रियता के बल पर 10 वर्षों से अधिक समय से सत्ता में हैं, जबकि ट्रंप अलोकप्रिय हैं, 80 वर्ष के हैं और 2029 में पद छोड़ देंगे। ब्रेमर का मानना है कि अमेरिका में हर चार साल में होने वाला नेतृत्व परिवर्तन नीतियों में निरंतरता की कमी पैदा करता है, जो चीन, रूस या भारत जैसे देशों में नहीं देखी जाती।

इंडिया टुडे से बातचीत में ब्रेमर ने बताया कि ट्रंप का उत्तराधिकारी उनके कई कार्यों को उलट सकता है, ठीक वैसे ही जैसे ट्रंप ने अपने पूर्ववर्ती के साथ किया। ब्रेमर ने कहा कि चीन, रूस और भारत के विपरीत, अमेरिका में हर चार साल में नेतृत्व बदलने से सरकारी नीतियों में निरंतरता नहीं रहती, जिसके परिणाम आने में समय लगता है। ब्रेमर ने आगे कहा कि खैर, अगला राष्ट्रपति ट्रंप के कई फैसलों को पलट सकता है। यह शी जिनपिंग नहीं है।

ये मोदी भी नहीं हैं, जो भारत में 10 साल से अधिक समय से शासन कर रहे हैं और एक लोकतंत्र में काफी लोकप्रिय हैं। ये ट्रंप हैं, जो काफी अलोकप्रिय हैं, 80 साल के हैं और तीन साल में सत्ता से बाहर हो जाएंगे। ब्रेमर ने कहा कि वैश्विक तेल कीमतें, वेनेजुएला में राजनीतिक स्थिरता और ट्रंप के बाद का युग कैसा होगा, ये सभी तय करेंगे कि अमेरिका को काराकास के विशाल तेल भंडार से दीर्घकालिक लाभ मिलेगा या नहीं। तेल की बात करें तो आप जानते हैं कि वेनेजुएला इस समय प्रतिदिन केवल लगभग 8 लाख बैरल तेल का उत्पादन कर रहा है। यह पहले 30 लाख बैरल हुआ करता था। लेकिन इसे बढ़ाने के लिए राजनीतिक स्थिरता की जरूरत है। उन्होंने आगे कहा कि आपको एक ऐसे आर्थिक वातावरण की आवश्यकता है जिसमें तेल कंपनियां भरोसा कर सकें।

आयरिश उपन्यास 'द गैडफ्लाई' से शी जिनपिंग को मुश्किल वक्त में मदद मिली थी

बीजिंग, एजेंसी। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने आयरलैंड के प्रधानमंत्री माइकल मार्टिन से मुलाकात के दौरान अपनी जिंदगी से जुड़ी एक खास बात साझा की। उन्होंने बताया कि किशोर उम्र में जब वे अपनी जिंदगी के सबसे मुश्किल दौर से गुजर रहे थे, तब एक आयरिश उपन्यास ने उन्हें मानसिक सहारा दिया था। बीजिंग के ग्रेट हॉल ऑफ द पीपल में सोमवार सुबह हुई इस मुलाकात में आयरिश प्रधानमंत्री माइकल मार्टिन ने शी जिनपिंग से कहा कि उन्होंने भी वही किताब अपने युवाकाल में पढ़ी थी। उस किताब का नाम है 'द गैडफ्लाई', जिसे एथेल वोयनिच ने लिखा था। मार्टिन ने बताया कि इस किताब ने उन पर भी गहरा असर डाला था। माइकल मार्टिन ने कहा कि यह एक संयोग था कि दोनों ने एक ही किताब किशोर उम्र में पढ़ी और दोनों पर उसका गहरा प्रभाव पड़ा। उन्होंने यह भी बताया कि उनके पास किताब का पहला संस्करण है, जो उन्होंने उनके एक रिश्तेदार ने भेंट किया था। 'द गैडफ्लाई' उपन्यास 1897 में प्रकाशित हुआ था। इसकी कहानी 1830 और

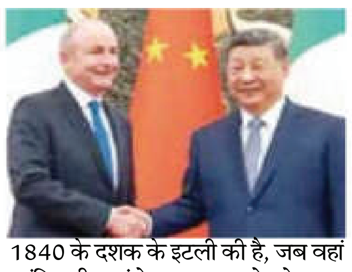

1840 के दशक के इटली की है, जब वहां क्रांतिकारी आंदोलन चल रहे थे। यह किताब आजादी, संघर्ष और साथ मिलकर लड़ने की भावना को दिखाती है। इसी वजह से यह किताब आयरलैंड के राष्ट्रवादियों और बाद में सोवियत यूनियन और चीन के कम्युनिस्टों के बीच भी काफी लोकप्रिय रही। रिपोर्ट के मुताबिक, शी जिनपिंग के पिता चीन की कम्युनिस्ट पार्टी के बड़े नेता थे। सांस्कृतिक क्रांति के दौरान उनके पिता को पद से हटा दिया गया, जिसके बाद शी जिनपिंग को किशोर उम्र में गांव भेज दिया गया। वहां उन्होंने खेतों में मजदूरी की और रात में एक गुफा में सोया। बाद में शी जिनपिंग ने इस दौर को अपनी जिंदगी के लिए बहुत अहम बताया।

नेपाल में ओली-प्रचंड और देऊबा की पार्टियों में गठबंधन संभव

सीट बंटवारे और स्ट्रैटजी पर बातचीत जारी, 20 दिन बाद ऊपरी सदन का चुनाव

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में तीन पूर्व पीएम शेर बहादुर देउबा, केपी शर्मा ओली और पुष्प कमल दाहाल प्रचंड की पार्टियां गठबंधन की तैयारी कर रही हैं। ये गठबंधन संसद के ऊपरी सदन 'राष्ट्रीय सभा' के लिए चुनाव के लिए हो सकता है। इस गठबंधन में मधेस क्षेत्र की पार्टी को भी शामिल करने पर विचार हो रहा है। नेपाली अखबार द काठमांडू पोस्ट के मुताबिक, नेपाली कांग्रेस, सीपीएन-यूएमएल, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी और जनता समाजवादी पार्टी के बीच सीट बंटवारे और साझा रणनीति पर बात हो रही है। यह चुनाव 25 जनवरी को होना है। राष्ट्रीय सभा में कुल 59 सदस्य होते हैं। इनमें से हर दो साल में एक-तिहाई सदस्य रिटायर होते हैं। इस बार 4 मार्च को 18 सदस्यों का कार्यकाल पूरा हो रहा है। इन्हीं खाली होने वाली सीटों को भरने के लिए चुनाव कराया जाएगा।

शुरुआती बातचीत में यह बात सामने आई है कि कांग्रेस को 7 सीटें, यूएमएल को 6 सीटें, नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी को 4 सीटें और जनता समाजवादी पार्टी नेपाल को 1 सीट मिल सकती है। इस बैठक में सीट बंटवारे पर चर्चा हुई। वहीं यूएमएल ने भी अपने उम्मीदवार तय करने के लिए मंगलवार को पार्टी सचिवालय की बैठक बुलाई है। चुनाव कार्यक्रम के मुताबिक सभी उम्मीदवारों को बुधवार यानी 7 जनवरी को नामांकन दाखिल करना होगा। राष्ट्रीय सभा में कुल 59 सदस्य होते हैं। इनमें से 56 सदस्य चुनाव के जरिए चुने जाते हैं, जबकि 3 सदस्य सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति की तरफ से मनोनीत होते हैं। इन मनोनीत सदस्यों में कम से कम एक महिला होना जरूरी होता है। राष्ट्रीय सभा में कुल 59 सदस्य होते हैं। इनमें से 56 सदस्य चुनाव के जरिए चुने जाते हैं, जबकि 3 सदस्य सरकार की सिफारिश पर राष्ट्रपति की तरफ से मनोनीत होते हैं। इन मनोनीत सदस्यों में कम से कम एक महिला होना जरूरी होता है।

आम चुनाव के लिए भी बातचीत जारी : कांग्रेस की केंद्रीय कार्यसमिति की बैठक में उपाध्यक्ष पूर्ण बहादुर खड़का ने बताया कि संविधान बनाने में शामिल राजनीतिक ताकतें राष्ट्रीय सभा चुनाव के लिए एकजुट होने पर सहमत हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा की ओर से खड़का ने पहले भी केपी शर्मा ओली से गठबंधन को लेकर बातचीत की थी। हालांकि कांग्रेस और यूएमएल के बीच आने वाले संसदीय चुनावों के लिए भी गठबंधन की चर्चा चल रही है, लेकिन इस पर अभी कोई अंतिम फैसला नहीं हुआ है। नेपाल में 5 मार्च 2026 को आम चुनाव होने वाले हैं। इस दिन देश के नागरिक संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा के लिए मतदान करेंगे, जिसमें कुल 275 सदस्य चुने जाते हैं।

वेनेजुएला के खिलाफ कार्रवाई पर अमेरिकी संसद से लेकर सड़क तक मतभेद

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका द्वारा वेनेजुएला में सैन्य कार्रवाई और राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की गिरफ्तारी को लेकर अमेरिकी संसद में गंभीर मतभेद उभरते दिखे हैं। अमेरिकी संसद (कांग्रेस) में ट्रंप द्वारा सांसदों से परामर्श किए बिना इतना बड़ा कदम उठाने को एक नए युग के विस्तारवाद की शुरुआत माना जा रहा है। इस असंतोष को लेकर विदेश मंत्री मार्को रुबियो को सोमवार देर रात कांग्रेस नेताओं के सामने वेनेजुएला सैन्य अभियान की जानकारी पेश करनी पड़ी। उधर, इस कार्रवाई के विरुद्ध लोग सड़कों पर भी उतरे हैं।

अमेरिकी संसद में भी ट्रंप की कार्रवाई का विरोध : अमेरिकी कांग्रेस का कहना है कि ट्रंप बिना परामर्श या कांग्रेस से अनुमति लिए अनुचित कदम उठा रहे हैं। इसी चिंता के बीच रिपब्लिकन नेता कैपिटल हिल (अमेरिकी संसद भवन) में बंद कमरे में हुई बैठक में वेनेजुएला के राष्ट्रपति को जबरन सत्ता से हटाने के ट्रंप के फैसले का समर्थन करते हुए दाखिल हुए, लेकिन कई डेमोक्रेट्स ने सवाल उठाया कि वेनेजुएला तट पर नौसैनिक बेड़ा तैनात है, जबकि देश के घाटे में चल रहे तेल उद्योग में पुनर्निवेश जरूरी है। उनका कहना है कि युद्ध शक्ति प्रस्ताव पर कांग्रेस की मंजूरी बिना वेनेजुएला में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई प्रतिबंधित है। अब सीनेट में इस सप्ताह इस मुद्दे पर चर्चा संभावित है।

ट्रंप की कार्रवाई विदेश नीति के प्रति खतरनाक दृष्टिकोण : शूमर : सीनेट के डेमोक्रेटिक नेता चक शूमर ने चेताया कि वेनेजुएला में ट्रंप की कार्रवाई विदेश नीति के प्रति एक खतरनाक दृष्टिकोण की मात्र शुरुआत है, क्योंकि राष्ट्रपति सार्वजनिक रूप से कोलंबिया, क्यूबा और ग्रीनलैंड में अपनी रुचि का संकेत दे रहे हैं। उधर, सीनेट की विदेश संबंध समिति में वरिष्ठ डेमोक्रेट सदस्य सीनेटर जीन शाहीन ने कहा, अभी भी कई सवालों के जवाब मिलने बाकी हैं। अमेरिका को वेनेजुएला घटनाक्रम की कितनी कीमत चुकानी पड़ेगी? प्रतिनिधि सभा की विदेश मामलों की समिति में शीर्ष डेमोक्रेट, न्यूयॉर्क के सांसद ग्रेगरी मीक्स ने कहा, सांसदों को अंधेरे में रखा गया। अमेरिकी गवर्नर चुनावों में भी वेनेजुएला मुद्दा हावी है। कैंटुकी के सांसद थॉमस मैसी और ट्रंप का समर्थन प्राप्त सेवानिवृत्त नौसेना सील अधिकारी एड गैलरेन आमने-सामने हैं। मैसी ने मादुरो को पकड़ने की निंदा की। हमने इसके लिए ट्रंप को वोट नहीं दिया था। यूएन ने वेनेजुएला मुद्दे पर दुख जताते हुए अस्थिरता की आशंका जताई। यूएन की राजनीतिक व शांति निर्माण मामलों की अवर महासचिव रोजमेरी ए. डिकार्लो ने सुरक्षा परिषद की बैठक में इस स्थिति को गंभीर समय करार देते हुए कहा, अमेरिकी कार्रवाई के बाद हालातों की संख्या अभी तक स्पष्ट नहीं है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले जारी; चोरी के शक में पीछा, नहर में छलांग लगाने से गई जान

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर लक्षित हमलों की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही हैं। चोरी के संदेह में भीड़ के पीछा करने से बचने के लिए 25 वर्षीय हिंदू युवक मिथुन सरकार ने नहर में छलांग लगा दी, जिससे उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार दोपहर भंडारपुर गांव के निवासी मिथुन का शव बरामद किया। यह घटना पड़ोसी देश में धार्मिक अल्पसंख्यकों को निशाना बनाकर की जा रही हिंसा में तीव्र वृद्धि के बीच हुई है। मिथुन सरकार की मौत पिछले कुछ दिनों में सामने आई क्रूर हमलों की श्रृंखला में यह नई घटना है।

हिंदू, बौद्ध और ईसाई एकता परिषद ने एक बयान जारी कर दिसंबर महीने में कम से कम 51 लक्षित घटनाओं का खुलासा किया है, जिनमें 10 हत्याएं शामिल हैं। परिषद ने आगजनी, बलात्कार और लूटपाट के मामलों का विस्तृत विवरण देते हुए गंभीर चिंता व्यक्त की है कि ये अत्याचार 12 फरवरी को होने वाले मतदान से पहले अल्पसंख्यकों को डराने-धमकाने का एक सुनियोजित प्रयास प्रतीत होते हैं। परिषद की रिपोर्ट में कहा गया है कि बांग्लादेश ने पहले भी राजनीतिक उथल-पुथल का सामना किया है, लेकिन वर्तमान समय में संस्थागत कमजोरी और बढ़ती सांप्रदायिक चिंता का खतरनाक संयोजन देखने को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि ये सब उस समय हो रहा जब देश 12 फरवरी 2026 को होने वाले संसदीय चुनावों की तैयारी कर रहा है। उन्होंने कहा कि शेख हसीना सरकार के 2024 में गिरने के बाद अंतरिम सरकार के कार्यकाल में अल्पसंख्यकों पर हमलों में तेजी आई है।

पिछले कुछ दिनों में हुई अन्य घटनाएं...

5 जनवरी को जेसोर जिले में हिंदू व्यापारी और समाचार पत्र के कार्यवाहक संपादक राणा कांति बैरागी की गोली मारकर हत्या

5 जनवरी को ही नरसिंगदी में किराने की दुकान मालिक मोनी चक्रवर्ती की धारदार हथियारों से हमला कर हत्या

3 जनवरी को शरियतपुर जिले में खोकोन चंद्र दास पर हमला, इलाज के दौरान अस्पताल में मौत

इससे पहले दिसंबर में राजबारी में अमृत मंडल की पीट-पीटकर हत्या और मयमनसिंह में दीपू चंद्र दास की भीड़ द्वारा पीटकर हत्या कर शव जलाने की घटनाएं सामने आई थीं।

अमेरिका पहुंचेगा वेनेजुएला का 50 मिलियन बैरल तेल, दोनों देशों को होगा फायदा : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वेनेजुएला की अंतरिम सरकार अमेरिका को 30 मिलियन से 50 मिलियन बैरल प्रतिबंधित तेल सौंपेगी। ट्रंप के अनुसार, यह कदम वेनेजुएला और अमेरिका दोनों के लोगों के हित में होगा। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर बताया कि यह तेल बाजार भाव पर बेचा जाएगा और वह व्यक्तिगत रूप से देखेंगे कि राजस्व का उपयोग कैसे किया जाता है। उन्होंने लिखा कि इस पैसे का उपयोग वेनेजुएला और अमेरिका के लोगों की भलाई के लिए किया जाएगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि उन्होंने ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट को इस योजना पर तुरंत अमल करने का निर्देश दिया है। उनके अनुसार, तेल को स्टोरेज जहाजों पर लोड किया जाएगा और सीधे संयुक्त राज्य अमेरिका में अनलोडिंग डॉक तक पहुंचाया जाएगा। ट्रंप ने साफ कहा कि तेल बाजार कीमत पर ही बेचा जाएगा और इससे मिलने वाले धन पर नियंत्रण अमेरिका के राष्ट्रपति के पास रहेगा। यह घोषणा अमेरिका की हालिया सैन्य कार्रवाई के बाद आई है, जिसमें वेनेजुएला के नेता निकोलस मादुरो को हिरासत में लिया गया और काराकस में सत्ता परिवर्तन हुआ। ट्रंप पहले भी कह चुके हैं कि अब वेनेजुएला में तेल, व्यापार और सुरक्षा जैसे मामलों में शर्तें अमेरिका तय करेगा। ट्रंप के इस बयान पर पूरी दुनिया का ध्यान गया, क्योंकि वेनेजुएला के पास दुनिया का सबसे बड़ा प्रमाणित तेल भंडार है। हालांकि, प्रतिबंधों, खराब प्रबंधन और निवेश की कमी के कारण वहां तेल उत्पादन काफी गिर गया है।

गौरतलब है कि भारत भी एक समय वेनेजुएला का बड़ा तेल खरीदार था, लेकिन अमेरिका के प्रतिबंधों के चलते 2019 में भारतीय रिफाइनरियों को वहां से तेल खरीदना बंद करना पड़ा। तब से, भारत मध्य पूर्व, रूस और संयुक्त राज्य अमेरिका से

तेल पर अधिक निर्भर हो गया है। अगर वेनेजुएला का इतना बड़ा तेल अमेरिका भेजा जाता है, तो वैश्विक कच्चे तेल के प्रवाह का स्वरूप बदल सकता है। वेनेजुएला का भारी तेल अमेरिका के खाड़ी तट की रिफाइनरियों के लिए उपयुक्त माना जाता है, जो पहले लैटिन अमेरिका और कनाडा से तेल आयात पर निर्भर थीं।

इस योजना के आगे बढ़ने पर चीन तक पहुंचने वाले वेनेजुएला के तेल की मात्रा भी कम हो सकती है, क्योंकि अभी चीन वहां का सबसे बड़ा खरीदार है। वैश्विक तेल आपूर्ति में किसी भी बदलाव से कीमतों और उपलब्धता पर असर पड़ सकता है। भारत जैसे देशों में इस पर खास नजर रखी जाती है, क्योंकि देश को बड़ी मात्रा में आयातित ऊर्जा पर निर्भर रहना पड़ता है।

ट्रंप ने इस कदम को आर्थिक और रणनीतिक फैसला बताया है। उनका कहना है कि वेनेजुएला के तेल पर अमेरिका का ज्यादा नियंत्रण होने से आपराधिक नेटवर्क कमजोर होंगे और क्षेत्र में स्थिरता आएगी। ट्रंप के अनुसार, इस योजना को तुरंत लागू किया जाएगा।

वेनेजुएला के तेल सेक्टर में निवेश करेगा अमेरिका : मादुरो की गिरफ्तारी के बाद ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी तेल कंपनियां वेनेजुएला के खराब हो चुके तेल ढांचे को ठीक करने के लिए अरबों डॉलर का निवेश करेंगी। इससे वेनेजुएला को दोबारा तेल उत्पादन से कमाई शुरू करने में मदद मिलेगी। फ्लोरिडा में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका अब तेल बेचने के कारोबार में है और अन्य देशों को भी तेल सप्लाई करेगा। उन्होंने कहा कि खराब ढांचे की वजह से वेनेजुएला खुद ज्यादा तेल नहीं निकाल पा रहा था। इससे पहले ट्रम्प ने सोमवार को पत्रकारों से बातचीत में यह कहा था कि हमें डेल्सी रोड्रिग्ज के जरिए वेनेजुएला तक पूरी पहुंच चाहिए। ट्रम्प ने वेनेजुएला को मरा हुआ देश बताते हुए कहा कि उसे दोबारा खड़ा करना जरूरी है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक स्वामी मुद्रक एवं संपादक हरेश पंवार द्वारा शीतल प्रिंटिंग ऑफसेट, प्लॉट नंबर 245 , बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 से मुद्रित एवं प्रकाशित, मुद्रक मीना, संपादक हरेश पंवार, भीम प्रज्ञा मीडिया हाउस, बुहाना रोड़ पचेरी बड़ी, जिला झुंझुनूं ,राजस्थान-333515 मो. 9983040937, –mail bheempragya@gmail.com